जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी, शुक्रवार 20 मई, 2022

विचार बिन्दु

मानव जीवन धूल की तरह है, रो-धोकर हम इसे कीचड़ बना देते हैं। –बकुल वैद्य

कैसा मेरा देश है, जिसकी न अपनी भाषा है और न संस्कृति के अनुरूप उसका नाम इण्डिया, न वेबसाइट इण्डिया सरकार भारत ही है।

गांधी का सूत्र वाक्य था, ''कोई भी देश सच्चे अर्थों में तब तक स्वतंत्र नहीं है जब तक वह अपनी भाषा में नहीं बोलता''। यदि भारत को एक राष्ट्र बनाना है तो चाहे कोई माने न माने, राष्ट्रभाषा तो हिन्दी ही बनेगी। संभवत: इसी से प्रेरणा प्राप्त कर संविधान के अनुच्छेद 343 में यह घोषणा की गई कि राजभाषा हिन्दी होगी। रविन्द्रनाथ टैगोर के विचार के अनुसार किसी भी अन्य देश की विदेशी भाषा के माध्यम से शिक्षा प्रदान नहीं की जावे। अनुच्छेद 343 में राज भाषा शब्दावली का उल्लेख राष्ट्र भाषा के संदर्भ में किया गया है। संविधान में देश को राज्य कहकर पुकारा गया है अत: राष्ट्र भाषा न कहकर हिन्दी को राजभाषा कहा गया है। राष्ट्र शब्द का प्रयोग अनुच्छेद 51क में किया है जो 42वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 से लाया गया है। इसके अतिरिक्त संविधान में प्रेसीडेन्ट ऑफ इण्डिया को राष्ट्रपति कहा गया है। अनुच्छेद 51क में राष्ट्र ध्वज व राष्ट्रगान का उल्लेख है।

आश्चर्य है पशु-पक्षी तो राष्ट्रीय घोषित किये गये हैं, किन्तु अंग्रेजी जो विदेशी भाषा है राष्ट्र भाषा हिन्दी के स्थान पर, सिंहासन पर बैठी है और देश का नाम इण्डिया उसकी संस्कृति के अनुरूप नहीं है। राष्ट्र भाषा के बिना हमारा देश आज गूंगा है। संविधान के अनुच्छेद 343 में यह कहा गया है कि ''संघ की राजभाषा हिन्दी होगी और अनुच्छेद 120 में यह उल्लेख किया है कि अनुच्छेद 348 के उपबंधों के अधीन रहते हुये संसद के कार्य हिन्दी या अंग्रेजी में किये जावेंगे तथा जब तक विधि द्वारा अन्यथा प्रबंध न करें जब तक इस संविधान के प्रारम्भ से 15 वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात यह अनुच्छेद ऐसे प्रभावी होगा मानो कि 'या अंग्रेजी में' शब्दों का उसमें से लोप कर दिया गया है। चूंकि विधि द्वारा अन्यथा उपबंध नहीं किया है अत: 15 वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात यह अनुच्छेद ऐसे प्रभावी होगा मानो 'या अंग्रेजी में' शब्दों का लोप कर दिया गया हो।

अनुच्छेद 210 में यही व्यवस्था राज्य की असेम्बली के संबंध में है।

प्रत्येक देश की अपनी भाषा होती है। भाषाओं पर और राष्ट्र भाषा पर गर्व होना चाहिये किन्तु अंग्रेजी हमारे देश की भाषा या बोली नहीं है, यह तो यू.के. की (अंग्रेजों) की भाषा है। हमारी भाषाये तो वे हैं जिनका उल्लेख संविधान की आठवीं सूची में है। ये 22 हैं, जन्म से बोली जाने वाली हैं। इन्हीं में राज्यों में बोली जाने वाली भाषायें हैं, जिसे राज्य के भाषायी अधिनियम द्वारा प्रत्येक राज्य ने स्वीकार किया है। यह दुर्भाग्य की बात है अंग्रेजी मातृ भाषा नहीं है वह फिर भी राष्ट्र भाषा की गद्दी पर बैठी है। जबकि संविधान के अनुसार 26.1.1965 से हिन्दी राज भाषा हो चुकी है।

देश की शिक्षा नीति है और देश के विद्वानों ने, सर्वोच्च न्यायालय के मुध्य न्यायाधीश ए.वी. रमना ने तथा देश के प्राइम मिनिस्टर मोदी ने एक आयोजन में कुछ दिन पूर्व ही कहा था कि हमें अदालतों में स्थानीय भाषाओं को प्रोत्साहन देना चाहिए, इससे सामान्य जन का न्याय की प्रणाली के प्रति विश्वास बढेग़ा। शिक्षा नीति पर भी यही विचार विद्वानों से अभिव्यक्त किये हैं कि शिक्षा अपनी भाषा ही में दी जानी चाहिए। जबकि सरकार स्वयं इसके विपरीत कार्य कर रही है। देश में अंग्रेजी स्कूलों की बाढ़ आ रही है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने को क्रान्तिकारी कदम कहा है। यही राजस्थान के बाबत कहा जा सकता है। लोगों में क्रेज है कि बच्चों को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में भर्ती कराया जावे। देश को इस पर ध्यान देना होगा। अंग्रेजी पढ़ाओ, किन्तु हिन्दी को महत्वहीन न माने। यह कदम सराहनीय है कि अंग्रेजी में हिन्दी अर्थात् दोनों माध्यम से शिक्षण संस्थानों के संचालन से लोगों को विकल्प चुनने का अवसर मिला है। 5 वर्ष की लॉ की डिग्री प्राप्त करने वाले एडवोकेट हिन्दी में एफआईआर नहीं लिख सकते न हिन्दी में प्लीडिंग्स ही सफलता के साथ लिख सकते हैं। अमेरिका के शासकों का विचार है कि ''यदि हमें भारत से 100 प्रतिशत व्यापार प्राप्त करना है तो हिन्दी सीखनी होगी, क्योंकि गावों में 80 प्रतिशत व्यापार है वहां के लोग अंग्रेजी नहीं जानते''। वहां 100 से अधिक यूनिवर्सिटीज में हिन्दी पढ़ाई जाती है।

किसी भी लोकतंत्र के लिये यह शर्म की बात है कि उस देश की राष्ट्रभाषा, वहां की मातृ भाषा ही न हो और अन्य देश की भाषा देश की राजभाषा हो। सभी देश अपनी देश की भाषा में बोलते हैं और शासन करते हैं, केवल भारत ही एक मात्र देश है जहां राजभाषा देश की मातृभाषा न होकर, अन्य देश की भाषा है।

यह भी एक दुर्भाग्य ही है कि संविधान में देश का नाम India, that is Bharat कहा गया है। जबकि India हमारी संस्कृति का शब्द नहीं है। पुराणों उपनिषदों आदि धार्मिक ग्रन्थों के अनुसार देश का नाम ऋषभदेव के पुत्र भरत के नाम पर भारत है। यों भी भारत का अर्थ भा रत अर्थात् धर्म में लीन है। भा का अर्थ है धर्म और रत का अर्थ है लीन होना। इस संबंध में भारत सरकार के पास प्दकपं का का नाम बदलने के हेतु एक पिटीशन प्रस्तुत की गई है। पिटीशन पूर्व में सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत की थी; न्यायालय ने यह मामला संसद के अधिकार क्षेत्र का माना है और पिटीशनर ने संविधान संशोधन कर देश का नाम 'भारत' रखने की मांग की है। पिटीशनर ने कहा कि आक्सफोर्ड डिक्शनरी के अनुसार इण्डिया शब्द का अर्थ वह ट्राइब है जो बिना पढ़ी-लिखी तथा लूटपाट करने वाली है। वस्तुत: संविधान निमात्री सभा ने संविधान में हिन्दी को राजभाषा घोषित किया, किन्तु संविधान की मूल प्रति अंग्रेजी में लिखी गई और रूपान्तर हिन्दी में हुआ संविधान में India की कोई परिभाषा नहीं दी गई।

इस प्रकार हमारी संस्कृति पर सीधा प्रहार है। हमारी अपनी संस्कृति है, किन्तु अपनी भाषा नहीं है और न इण्डिया नाम ही अपना है। एक लोकतंत्र के लिये यह श्राप से कम नहीं है।

इन परिस्थितियों में दैनिक भास्कर दिनांक 15.05.2022 के अंक 145 के पृष्ठ 1 पर यह समाचार पढ़ा कि ''अब इण्डिया सरकार भारत लिखकर सरकारी वेबसाइट खोल सकेंगे''। हम सबको गर्व की अनुभूति हुई, यह समझ में आया कि सरकार की यह पहल सचमुच हिन्दी के लिये ऐतिहासिक होगी। दैनिक भास्कर के अनुसार इसका अर्थ होगा सरकार के ''तमाम विभागों, मंत्रालय संगठनों की अंग्रेजी वेबसाइट का हिन्दी स्वरूप भारत के अपने हिन्दी डोमेन से चलाने का निर्णय लिया गया है। यानी अब वेबसाइट का नाम अंग्रेजी में नहीं बल्कि हिन्दी में ही दर्ज होगा और देश की 80 प्रतिशत हिन्दी भाषी आबादी अपनी मातृभाषा में वेबसाइट के यूआरएल दर्ज कर सरकारी महकमों की जानकारी ले सकेगी''।

सरकार की उक्त पहल सराहनीय है और यह विश्वास के साथ कहा जा सकता है, हिन्दी को इससे ऊर्जा प्राप्त होगी। राष्ट्र भाषा के महत्व को लोग समझेंगे। राजभाषा के संबंध में जो विवाद व गम्भीर चर्चायें संविधान निमात्री समिति में हुई थीं, उस विषय पर गोपाल स्वामी आयंगर के शब्दों में इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है:-

''हम सबने जो अन्तिम निर्णय लिया है वह है कि हमने हिन्दी को राजभाषा के रूप में अंगीकार किया। हम जब कोई लक्ष्य प्राप्त करते हैं तो हमें अंग्रेजी को जिसे हमने अपनाया था, उसे विदाई देनी होगी। हिन्दी को अंग्रेजी के स्थान पर अंगीकार करने का कार्य हमने किया है। हमें कुछ वर्षों तक अंग्रेजी का प्रयोग चालू रखना होगा, समय बाद हिन्दी पूर्ण रूप से उसका स्थान ले लेगी।''

संसद की एक कमेटी ने राजभाषा विधेयक अधिनियम, 1963 के तहत् बनाई गई थी, कमेटी ने 114 सिफारिशें राष्ट्रपति को प्रस्तुत की थीं किन्तु पालना मंत्रियों ने ही नहीं की।

किसी भी लोकतंत्र के लिये यह शर्म की बात है कि उस देश की राष्ट्रभाषा, वहां की मातृ भाषा ही न हो और अन्य देश की भाषा देश की राजभाषा हो। सभी देश अपनी देश की भाषा में बोलते हैं और शासन करते हैं, केवल भारत ही एक मात्र देश है जहां राजभाषा देश की मातृभाषा न होकर, अन्य देश की भाषा है। प्रत्येक राज्य में वहां की राजभाषा में जिसे राजभाषा अधिनियम द्वारा घोषित किया है राज्य का कामकाज हो रहा है। राज्य की भाषा से हिन्दी की कोई तकरार नहीं है। संसद से अपेक्षा है कि संसद संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा संविधान के अनुच्छेद 1 में संशोधन कर देश का नाम भारत, अनुच्छेद 343 में संशोधन कर यह लिखा जावे कि राजभाषा (राष्ट्र भाषा) हिन्दी है तथा वेबसाइट का नाम भारत की संस्कृति के अनुरूप हो। भारत का संविधान के अनुच्छेद 366 के क्रम नं0 15 में 'देशी राज्य' व 'इण्डिया' को उपरोक्त संशोधन के अनुरूप संशोधित कर परिभाषित करें।

'जय भारत', 'जय हिन्दी'।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

उदयपुर का राजकीय विश्वविद्यालय, कुलपतियों के लिए श्रापित

आज़ादी के समय तक राजस्थान में कोई विश्वविद्यालय नहीं था अपितु कुछ राजकीय महाविद्यालय थे लेकिन उनकी सम्बन्धता आगरा यूनिवर्सिटी से थी और परीक्षाएं भी आगरा विश्वविद्यालय ही करवाता था तथा डिग्री भी आगरा विश्वविद्यालय से प्रदान होती थी। जयपुर में पहला विश्वविद्यालय खुला, उसके विकास की दास्तान भी अजीव है मोहन सिंह जी मेहता ने उसे कैसे सरकार से कम समर्थन मिलने पर भी विश्वविद्यालय का पूरा ढांचा खड़ा कर दिया।

उदयपुर में 1962 में प्रदेश का पहला और देश का दूसरा कृषि विश्वविद्यालय स्थापित हुआ लेकिन कतिपय नेताओं के दबाव स्वरुप उसे बहुसंकायी बनाकर उदयपुर विश्व विद्यालय नाम दिया गया। डॉ. जी.एस. महाजनी कुलपति नियुक्त हुए, उनसे पहले संभवत: डॉ. बी. हूजा कुलपति बने थे।

बीकानेर का पशु चिकित्सा और जोबनेर कैंपस दोनों उदयपुर यूनिवर्सिटी के संघटक कैंपस थे। कुलपति डॉ. महाजनी एक अनुभवी, योग्य विनम्र स्वभाव वाले व्यक्ति थे, वे अपनी निजी कार से ही ऑफिस आते जाते थे और मैंने सुना था कि वे एक रूपया तनखाह लेते थे। मैं उनके संपर्क में अनेक बार आया, सबोर्डिनेट स्टाफ टीचर को वे अपनी कुर्सी से उठकर स्वागत करते। ऐसे कुशल व्यक्ति को भी उदयपुर के लोगों ने आरोपों की झड़ी लगाकर परेशान किया और उनके कार्यकाल में घटित दोषों पर एक यलो बुलेटिन प्रकाशित किया। वे 1971 में यहां से चले गए, महारास्ट्रियन थे। उनके बाद श्री सत्यप्रसन्न सिंह भंडारी कुलपति बने मेरे विचार से वे प्रसाशनिक वर्ग से थे।

कुछ ही समय पश्चात् डॉ. पृथ्वी सिंह लम्बा कुलपति नियुक्त हुए। डॉ. लम्बा अनुशासन और कार्य संपादन में बड़े निपुण थे। डॉ. लाम्बा भी लोगों को नहीं भाये और कुछ लोगों ने उनके विरुद्ध मोर्चा खोल दिया, जिसमे निदेशक अनुसन्धान भी लिप्त हो गए। बाद में डॉ. लम्बा ने उन्हे सेवा से बर्खास्त कर दिया। छात्रों के एक वर्ग ने कुलपति के विरुद्ध आंदोलन किया और एक रात कुछ छात्र नेताओं ने उनके निवास में घुस कर उनसे मारपीट तक कर दी।

सरकार ने कुलपति को जयपुर बुलाया और त्यागपत्र देने की सलाह दी इस पर डॉ. लम्बा ने कहा कि मेरे बाकी बचे समय की सभी देनदारियां मुझे दे दें। सरकार ने उनकी शर्त मान उन्हें बाकी समय का धन दे दिया वे त्यागपत्र देकर चले गए। राज्य सरकार ने उनके विरुद्ध एस. डी. सिंह कमीशन (सेवानिवृत अल्लाहाबाद हाई कोर्ट जज) के अध्यक्षता में जांच आयोग बिठा दिया। वे दो वर्ष तक कुलपति का कार्य करते रहे। जांच आयोग की रिपोर्ट किताब रूप में दो वॉल्यूम में छापी गयी।

तदउपरान्त, उत्तेर प्रदेश के एक उच्च कोटि के वैज्ञानिक व् तत्कालीन मेंबर ऑफ़ लेजिस्लेटिवे असेंबली डॉ राज नाथ सिंह उदयपुर में कुलपति नियुक्त किये गए उन्होंने इस पद के लिए किसी से निवेदन नहीं किया था अपितु चंद्र शेखर और भैरों सिंह शेखावत को वे एक समारोह में मिले थे, बातचीत में भैरों सिंह शेखावत उनकी शैली व् व्यवहार से बहुत प्रभावित हुए और उन्हें उदयपुर में कुलपति पद देने की पेशकश की, जिसे उन्होंने उन दोनों से प्रभावित होकर स्वीकार कर लिया और नियुक्ति आदेश मिलने पर उदयपुर आ गए। मैं उस समय जोबनेर में कार्यरत था, उनके आने की सूचना मिलने पर मैं उनसे मिलने जयपुर हवाईअड्डा पहुंच गया। मैं उन्हे पहले से ही जानता था क्योंकि वे अमेरिका की आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी से डेयरी माइक्रोबायोलॉजी में पी. एच डी धारक थे और प्रदेश सरकार में कई पदों पर सेवा के वाद वाराणसी में उदय प्रताप कॉलेज में वर्षो प्रिंसिपल रहे। उदयपुर में ज्वाइन करने के बाद कुछ राजनितिक लोग

प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह

किसी किताब के विमोचन को लेकर उनके पीछे पड़ गए। वे सुप्रीम कोर्ट चले गए। सरकार ने वहां अपनी हार होते देख डॉ. कुरूप को उन्हें मनाने और त्यागपत्र देने को राजी कर लिया, जिसको उन्होंने बेमन से स्वीकार कर लिया और वे त्यागपत्र देकर चले गए। तत्कालीन सरकार ने अपनी जैसे-तैसे इज़्जत बचा ली लेकिन एक उच्च स्तर के डेयरी विज्ञानी और शिक्षाविद से यूनिवर्सिटी को हाथ धोना पड़ा। तत्पश्चात प्रदेश के कृषि विभाग के निदेशक डॉ. रणवीर सिंह को कुलपति का भार सौंप दिया।

डॉ. तलवार के उपरांत प्रसाशनिक अधिकारी श्री पी.एन. भंडारी और फिर नरेंद्र सिंह सीसोदिया को कुलपति बनाया। इन दोनों के कार्य काल में कोई महत्वपूर्ण घटना नहीं घटी।

वर्ष 1985 के दूसरे छ: मास में डॉ. के एन नाग जो उदयपुर में कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता थे कुलपति नियुक्त हुए। डॉ. नाग एक कुशल कार्यशील वयक्ति थे। सरकार ने उन्हे वर्ष 1987 बीकानेर कृषि विश्व विद्यालय की स्थापना कर वहां का कुलपति नियुक्त कर दिया। कार्य करते उन्होंने भी कई बड़े अनुभवी अधिकारिओं से दूरी बना कर कार्य करना शुरू किया, जिसका विरोध बहुत हुआ और प्रदेश के लगभग 13-14 लेजिस्लेटरों ने सरकार को एक विस्तृत मेमोरंडम प्रस्तुत किया, जिसके फल स्वरुप डॉ. नाग को हटना पड़ा और कुलपति का कार्य डॉ. सक्सेना मृदा विज्ञानी को सौंप दिया। इस प्रकार समय से पूर्व डॉ. नाग को सरकार द्वारा घर भेज दिया गया। उदयपुर के परिसर को विकसित करने का श्रेय डॉ. नाग को ही जाता है।

डॉ. नाग उपरांत पूर्णकालिक कुलपति बड़े फैन फेयर के साथ डॉ. हरज्ञान सिंह जो कृषि विश्वविद्यालय में पहले निदेशक अनुसन्धान थे। कुलपति नाग से नाराज होकर जम्मू कश्मीर चले गए थे, को पूर्ण कालिक कुलपति नियुक्त कर दिया। डॉ. सिंह एक कर्मठ, ईमानदार और एग्रोनोमी के विशेषज्ञ थे परन्तु अपनी हठधर्मिता के कारण उन्हें भी आरोप लगा कर पदमुक्त कर दिया सर्वोच्च न्यायालय जाते हुए उन्हें दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई उनके विरुद्ध भी मंगल बिहारी जाँच आयोग ने जांच रिपोर्ट में उनके विरुद्ध सभी आरोप बेबुनियाद और गलत पाए। उनके बाद बीकानेर में दो प्रसाशनिक अधिकारी हल्दीया और राकेश हूजा कुलपति पद का कार्य करते रहे। जब तक कि डॉ. पटेल (करनाल से) से कुलपति नियुक्त होकर नहीं आ गए लगभग 3 वर्ष से अधिक समय तक डॉ. पटेल कुलपति रहे उनके बाद नियुक्त हुए डॉ. खगेश्वर प्रधान जो एक विख्यात पशु पोषण विज्ञ थे डॉ. प्रधान के विरुद्ध भी विश्वविद्यालय के ही अफसरों ने वित्तीय घोटालों की रिपोर्ट सरकार को कर दी फलस्वरूप एक साफ़ छबि वाला निष्ठावान व्यक्ति भी विश्व विद्यालय अफसरों की व्यूह रचना का शिकार होकर पद छोड़ गया, वे भुवनेश्वर के रहने वाले थे।

तत्पश्चात वर्ष 1999 नवंबर में महाराणा प्रताप कृषि विश्व विद्यालय की स्थापना हो गयी, यहाँ भी एक-दो कुलपतिओं को छोड़कर सभी भ्रष्ट कृत्यों के लिए आरोपित हुये जिनके राजनैतिक सम्बन्ध सुद्रढ थे वे बच निकले। अभी वर्तमान कुलपति डॉ. नरेन्द्रसिंह राठौर का कार्यकाल पूरा नहीं हुआ है लेकिन विरोध चालू हो चूका है। विरोध की सीमा ऐसी कि प्रबंध मंडल के सरकार द्वारा नामित सदस्य को कुछ मुद्दों को लेकर भूख हड़ताल जैसे क़दमों को उठाना पड़ा। क्या सरकार में कोई अफसर उनसे बात कर स्थिति को संभालने में मदद नहीं कर सकता था? मेरी समझ से मुद्दे भी ऐसे नहीं हैं जिन पर कुलपति अथवा सरकार आश्वासन नहीं दे सकती? संभवत: विरोध अभी चालू है, परणीति क्या होती है समय बताएगा? लेकिन सम्पूर्ण दोष राज्य सरकार का है जिसके तीन पदेन सदस्य सेक्रेट्री स्तर के हैं। वे कभी भी प्रबंध मंडल की मीटिंग में नहीं आते फिर उन्हे प्रबंध मंडल में पदेन सदस्य रखने का क्या तात्पर्य? मैं स्वय प्रबंध मंडल का सदस्य रहा हूं और मेरा यह निश्चित मत है कि सदस्यों से रिपोर्ट मिलने पर भी सरकार कोई हस्तक्षेप नहीं करती चाहे स्थित कितनी ही विकराल हो। ऐसे विश्व विद्यालय कुलपति कैसे चलाएंगे?

उदयपुर के ही सुखाड़ीया विश्वविद्यालय के कुलपति भी आरोपों के घेरे में आ चुके हैं। केरल राज्य के राज्यपाल श्री आरिफ मोहमद खान को भी आश्चर्य व्यक्त करना पड़ा कि कुलपति की नियुक्ति में करोड़ों रुपयों की रिश्वत ली जाती है? क्या सच और क्या गलत? विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा बर्बादी के कगार पर पहुंच चुकी है। उस पर राजस्थान सरकार कुलपति नियुक्ति मामले में राज्यपाल की भूमिका को संभवत: नगण्य करना चाहती है? फिर सरकारी स्तर पर वरिष्टता की भूमिका कौन निभाएगा? अभी ये साफ़ नहीं है कि राज्यपाल कुलधपति भी रहेंगे अथवा नहीं? मुद्दा गंभीर व् विचारणीय है।

– प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि , उदयपुर

बाल श्रम उन्मूलन के लिये डरबन में आयोजित सम्मेलन में थानागाजी की तारा बंजारा ने शिरकत की

सम्मेलन में वैश्विक समुदाय को दिलाया बाल श्रम एवं बाल शोषण के खात्मे का संकल्प

थानागाजी, (निसं)। दुनिया से बाल श्रम उन्मूलन के लिए डरबन दक्षिण अफ्रीका में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आइएलओ) द्वारा 5वें सम्मेलन का आगाज किया गया। जिसमें राजस्थान अलवर जिले के थानागाजी उपखंड क्षेत्र के छोटी सी बंजारा बस्ती निमड़ी से पूर्व में बाल मजदूर रह चुकी नोडमिक बंजारा समुदाय की लाडो तारा बंजारा ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर तारा बंजारा ने अपने जैसे बच्चों की बाल श्रम, चाइल्ड ट्रैफिकिंग, बाल यौन शौषण से सुरक्षा की मांग करते हुए कार्यक्रम में वैश्विक समुदाय के प्रतिभागियों को संकल्प दिलाया कि कोई भी बच्चा बाल श्रम, चाइल्ड ट्रैफिकिंग व बाल शौषण का शिकार ना हो।

बंजारा समुदाय की लाडो तारा बंजारा ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए तारा बंजारा ने कहा कि आज हम हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा मुहैया कराने की जिम्मेदारी एवं जवाबदेही का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि दुनियाभर की सरकारें बच्चों को अपने वोट का हिस्सा नहीं मानकर बच्चों को सुरक्षा मुहैया कराने का कोई प्रयास नहीं करती है।

- **राजस्थान से पूर्व बाल मजदूर अमरलाल, राजेश जाटव एवं तारा बंजारा ने कार्यक्रम में भाग लिया**

तारा ने अपनी बस्ती सहित आस-पास से 22 बच्चों को बाल श्रम से मुक्त करवाकर स्कूल में दाखिला करवाया तथा तारा लगातार बाल आश्रम संस्थापिका सुमेधा कैलाश के मार्गदर्शन में बाल विवाह एवं अशिक्षा के कलंक को मिटाने के लिए संघर्ष कर रही है।

तारा अपनी समुदाय एवं बालिकाओं के लिए अपने आप एक मिसाल बन गई है। तारा बंजारा बस्ती की पहली युवा लड़की है जो स्कूली शिक्षा पूरी कर कॉलेज में दाखिला लेकर अपनी उच्च शिक्षा की पढ़ाई करने में जुटी हुई है तथा तारा पुलिस सेवा में जाने का सपना पूरा करने के लिए मेहनत कर रही है।

डरबन दक्षिणी अफ्रीका में आयोजित बाल श्रम उन्मूलन सम्मेलन में राजस्थान से पूर्व बाल मजदूर अमरलाल, राजेश जाटव एवं तारा बंजारा ने कार्यक्रम में भाग लिया।

पेयजल समस्या से त्रस्त वार्ड संख्या 10 के लोगों ने मटके फोड़ जताया आक्रोश

अजमेर, (कासं)। नगर निगम के वार्ड संख्या 10 रावत नगर भाटी की डांग में पेयजल समस्या से त्रस्त वार्डवासी महिलाओं ने गुरुवार को भीषण गर्मी के बीच मटका फोड़ कर जल दाय विभाग के अधिकारियों के खिलाफ आक्रोश जाते हुए प्रदर्शन किया और समस्या के जल्द समाधान की मांग की। समस्या का समधान नहीं होने पर जल दाय विभाग और जिला कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन की चेतावनी भी दी।

नगर निगम के वार्ड संख्या 10 स्थित रावत नगर भाटी के डांग वार्डवासी महिलाओं ने गुरुवार को क्षेत्र में पर्याप्त और नियमित पेयजल सप्लाई नहीं होने से आक्रोशित होकर जल दाय विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मटके फोडक़र अपने आक्रोश का इजहार किया। क्षेत्र की महिला और पुरुषों ने बताया कि वार्ड नंबर 10 के रावत नगर भाटी की डांग में रहने वाले लोग बरसों से पेयजल समस्या से त्रस्त है, लेकिन क्षेत्र में मात्र 15 मिनट के लिए पेयजल सप्लाई ही होती है, वह भी कम प्रेशर के साथ, इसके बावजूद यहां हेडपंप लगे हुए हैं, लेकिन वह काम नहीं करते। क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लंबे समय से पानी की समस्या बनी हुई है। इससे पहले भी कई बार अधिकारियों को अवगत करवाया गया है। लेकिन उनकी समस्या का आज तक हल नहीं हुआ। जबकि इन दिनों अजमेर में भीषण गर्मी पड़ रही है, जिसके कारण पानी की समस्या विकराल रूप ले रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पानी सहित अन्य समस्याओं को लेकर न तो विधायक और न ही पार्षद कोई ध्यान दे रहा। कई बार जलदाय अधिकारियों को भी समस्या से अवगत करवाया गया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। लोगों ने चेतावनी दी कि आज तो मटकी फोड़ कर विरोध प्रदर्शित किया गया है।

आक्रोशित वार्डवासियों ने जलदाय विभाग के कार्मिकों के खिलाफ मटका फोड़ प्रदर्शन किया।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 20 मई, 2022

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2079, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 1:18 तक, शुभ योग दिन 11:24 तक, कौलव करण प्रात: 6:57 तक, चन्द्रमा प्रात: 8:45 से मकर राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मीन, बुध-वृष, गुरू-मीन, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

कुमार योग रात्रि 1:18 से सूर्योदय तक और सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग रात्रि 1:18 से आरम्भ होगा। आज विवाह मुर्हूत उत्तराषाढा में है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:21 तक, लाभ-अमृत 7:21 से 10:43 तक, शुभ 12:23 से 2:04 तक, चर 5:25 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:41, सूर्यास्त 7:06

मेष
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। धार्मिक-सामाजिक कार्यों में धन खर्च हो सकता है।

वृष
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। पारिवारिक कार्यों व्यस्तता बनी रहेगी। अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

सिंह
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

तुला
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

धनु
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ
घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

मीन
व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल हेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 14 संख्याः 198 प्रभात हिण्डौन सिटी, शुक्रवार 20 मई, 2022 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

जैसे-जैसे वन्यजीव पर्यटन बढ़ा है, पर्यटकों में वन्यजीवों के करीब जाने की प्रवृति भी बढ़ी है। मलेशिया में तो पर्यटक मोटर बोट्स पर चढ़कर नदी किनारे रहने वाले प्रोबॉस्कस (प्रोबॉसस) बंदरों के बिल्कुल करीब जाने का प्रयास करते हैं। पर्यटक तो लुत्फ उठाते हैं लेकिन इस दखलंदाजी से बंदर परेशान हो जाते हैं। मुख्य शोधकर्ता, ब्रिटेन की युनिवर्सिटी ऑफ पोर्ट्समाउथ की मारियाना डाविला- रॉस कहती हैं कि ''वर्षा वनों में मोटर बोट के सहारे प्राइमेट इकोटूरिज़्म बहुत बढ़ रहा है, इसमें मलेशिया भी शामिल है। हमने शोध में यह जानने का प्रयास किया है कि मोटर बोट्स का इन जंगली वानरों पर किस हद तक नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, खासकर प्रोबॉस्कस वानरों पर, क्योंकि अभी तक भी इस विषय पर कोई अध्ययन नहीं हुआ है।'' शोधकर्ता लिखते हैं कि ''पर्यावरण में मनुष्य की वजह से होने वाले परिवर्तनों के कारण वानरों व अन्य जानवरों की तरफ इंसानों की पहुंच कायम रहेगी जिससे उनके अस्तित्व के लिए चुनौतियां और बढ़ेंगी। पर्यटन क्षेत्र में इकोटूरिज़्म तेजी से बढ़ता सैक्टर है। इसमें पर्यटक जानवरों के बहुत करीब जाते हैं, जिससे जानवरों में रोग संक्रमण तथा कॉर्टिसॉल (तनाव संबंधी रसायन) बढ़ने का खतरा हो जाता है। विश्लेषण के लिए शोधकर्ताओं ने मलेशिया के सबाह राज्य में नदियों के किनारे रह रहे प्रोबॉस्कस बंदरों के 6 समूह बनाए। हरेक समूह में एक नर व कुछ मादाएं थीं। शोधकर्ताओं ने लोअर किनाबातांगन वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी में किनाबातांगन नदी के समीप रह रहे वानरों पर शोध किया। वहां लगभग दो से तीन हज़ार वानर हैं। शोधकर्ता मोटर बोट में सवार होकर तीन अलग-अलग रफ्तारों व दूरी से वानरों के पास पहुंचे, फास्ट क्लोज़, स्लो क्लोज़ और स्लो फार। उन्होंने, तीनों स्थितियों में, नौका के आने से पहले बंदरों द्वारा प्रदर्शित व्यवहार की तुलना नौका पास आने पर उनके व्यवहार से की। उन्होंने देखा कि फास्ट क्लोज़ व स्लो क्लोज़ स्थिति में बंदर नौका को घूर रहे थे, पीछे हटकर पत्तों के पीछे छिप रहे थे और लगातार खुजा रहे थे। इन स्थितियों में उनका तनावजनित व्यवहार ज्यादा देर तक चला। इन्टरनैशनल जर्नल ऑफ प्राइमटॉलजी में छपे शोध में डाविला रॉस कहती हैं कि, ये नतीजे पक्षियों व समुद्री स्तनपायी जीवों पर हुए शोध के नतीजों जैसे ही हैं, जो कहता है कि तेज आवाज वाली नौका के पास आने पर स्ट्रैस होना सर्वव्यापी प्रतिक्रिया है, क्योंकि यह स्थिति जानवरों को खतरे जैसी लगती है। यह पहला शोध है जो दर्शाता है कि मोटरबोट करीब आने पर बंदर भी तनावग्रस्त हो जाते हैं।

'गेहूँ के निर्यात पर प्रतिबंध, अमीर देशों की जमाखोरी रोकने के लिये है'

'कोविड-19 के समय अमीर देशों ने वैक्सीन की भारी जमाखोरी की, जिससे अमीर देशों के पास आवश्यकता से अधिक वैक्सीन थी, जबकि गरीब देशों को प्रारंभिक डोज़ भी नहीं लगी थी'

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के अपने निर्णय का सुदृढ़ बचाव करते हुए और अमेरिका तथा जी-7 देशों की सीधी आलोचना का जवाब देते हुए भारत ने खाद्यान्नों की जमाखोरी व खाद्यान्न की कीमतों में ''अनुचित वृद्धि'' व भेदभाव को लेकर चिंता प्रकट की है। भारत ने पश्चिमी देशों को सावचेत किया है और जताया कि खाद्यान्न मुद्दे का हश्र कोविड-19 वैक्सीन्स के जैसा नहीं होना चाहिए, जिसमें गरीब देशों ने शुरूआती डोज़ के लिए भी संघर्ष किया, जबकि अमीर देशों के पास वैक्सीन के जरूरत से अधिक डोज़ थे।

''ग्लोबल फूड सिक्योरिटी कॉल टू एक्शन'' विषय पर आयोजित मंत्रिस्तरीय मीटिंग में विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने भारत की आशंकाओं को स्पष्ट रूप से सामने रखा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मई माह के लिए अमेरिकी अध्यक्षता के अधीन इस मीटिंग की अध्यक्षता अमेरिका के विदेश मंत्री एन्टनी ब्लिंकन ने की।

मुरलीधरन ने कहा कि गेहूं निर्यातों को प्रतिबंधित करने का भारत का निर्णय इसकी सर्वाधिक जरूरतमंद तक

- **भारत के विदेश राज्य मंत्री मुरलीधरन ने यू.एन.ओ. की बैठक में गेहूँ के निर्यात पर प्रतिबंध को पुरज़ोर ढंग से सही ठहराया। बैठक की अध्यक्षता अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिन्कन कर रहे थे।**
- **''प्रतिबंध से भारत अपनी ''फूड सिक्युरिटी' के अलावा पड़ोसी देशों की तथा निर्धन देशों की आवश्यकता पूरी करना चाहता है। ''ओपन मार्केट'' का मकसद कुछ अमीर देशों की असमानता को पनपाना नहीं है।''**

''वास्तविक'' पहुंच सुनिश्चित कर सकता है। उन्होंने इस पर जोर दिया कि ''कम आय वाले कई समाज आज बढ़ती कीमतों और खाद्यान्न प्राप्त करने में कठिनाई की दोहरी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। यहां तक कि खाद्यान्न का पर्याप्त स्टॉक रखने वाले भारत जैसे देश भी खाद्य कीमतों में अनुचित वृद्धि देख चुके हैं। स्पष्ट है कि जमाखोरी और सट्टेबाजी अपना काम कर रही है। हम इसे बिना चुनौती दिए नहीं रह सकते।''

उन्होंने कहा कि ''हमारी स्वयं की खाद्य सुरक्षा तथा पड़ोसी एवं अन्य कमजोर विकासशील देशों की जरूरतों में सहयोग देने के लिए हमने गेहूं निर्यात को लेकर गत 13 मई को कुछ उपायों की घोषणा की थी।''

मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत वैश्विक खाद्य सुरक्षा को आगे बढ़ाने में अपनी उचित भूमिका निभाएगा और इस तरीके से कार्य करेगा जिसमें साम्य व करूणा हो तथा सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन मिलता हो।

मुरलीधरन ने कहा कि ''हम भारी कीमत चुकाकर पहले ही यह देख चुके हैं कि इन सिद्धांतों की कोविड-19 वैक्सीन्स के मामले में किस प्रकार अनदेखी की गई।'' उन्होंने आगे कहा कि जब बात खाद्यान्न की हो तो सभी देशों के लिए यह आवश्यक है कि वे ''साक्य'' क्रम सामर्थ्य और ''खाद्यान्न तक पहुंच'' के महत्व को उचित प्रोत्साहन दें।''

मुरलीधरन ने मुश्किल समय में अपने सहयोगियों की मदद करने के भारत के ''ट्रैक रिकॉर्ड'' का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि कोविड-19 की वैश्विक महामारी व यूक्रेन युद्ध सहित वर्तमान संघर्षों के बीच भी देश में खाद्यान्नों की कमी नहीं रही है।

उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम (विश्व एक परिवार) तथा पड़ोस पहली प्राथमिकता के संस्कारों पर चलते हुए हम हमारे पड़ोसियों की सहायता करना जारी रखेंगे और उनके कठिन वक्त में उनके साथ हमेशा खड़े रहेंगे।''

भारत ने झुलसा देने वाली गर्मी के कारण गेहूं की कमी के बीच उसकी ऊंची कीमतों पर नियंत्रण करने के उद्देश्य से गत 13 मई को इसके निर्यातों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

केन्द्र सरकार के अनुसार इस आदेश से तीन प्रमुख उद्देश्य सधे। भारत की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और महंगाई को नियंत्रित करना, खाद्यान्न की कमी का सामना कर रहे अन्य देशों की मदद करना और एक सप्लायर के रूप में भारत की विश्वसनीयता को बनाए रखना।

तथापि डायरैक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड (डी.जी.एफ.टी.) ने इस निर्णय को अधिसूचित करते हुए गत सप्ताह कहा था कि केन्द्र सरकार की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'शिवाजी की भूमि पर, औरंगाबाद में औरंगज़ेब की कब्र की क्या आवश्यकता है'

राज ठाकरे व पूर्व मु.मंत्री देवेन्द्र फड़णविस द्वारा यह मुद्दा उठाने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने औरंगज़ेब की कब्र पर सुरक्षा बढ़ायी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। औरंगाबाद स्थित सम्राट औरंगजेब का मकबरा महाराष्ट्र की राजनीति का नया केन्द्र क्यों बन गया है?

राज्य विधानसभा में सर्वाधिक विधायक होने के बावजूद, सरकार बनाने में असमर्थ रहने की निराशा के दंश से पीड़ित भाजपा उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एम.वी.ए. (महाराष्ट्र विकास अघाडी) सरकार को अस्थिर करने की कोशिश लगातार करती आ रही है। फिल्म स्टार सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु से संबंधित केस में मुम्बई पुलिस को कटघरे में खड़ा करने की कोशिशों के बाद, अंबानी के आवास के पास, एक कार में विस्फोटक पदार्थ

- **जब से तेलंगाना के विधायक अकबरूद्दीन ओवैसी ने कब्र पर जाकर सम्मानपूर्वक फूल चढ़ाये, यह कब्र एक राजनीतिक मुद्दा बन गयी है।**

पाये जाने के प्रकरण में हुई जांच-पड़ताल के सिलसिले में, केन्द्रीय एजेंसियां अलग-अलग तरीके से राज्य सरकार को घेरती दिखाई दीं। औरंगजेब के स्मारक से संबंधित विवाद के चलते, भाजपा को ठाकरे सरकार को परेशान करने का एक और अवसर मिल गया है। इस मकबरे ने उस समय एक राजनैतिक विवाद का रूप ले लिया, जब तेलंगाना विधायक अकबरूद्दीन ओवैसी इस क्रब्र के प्रति अपना आदर-सम्मान प्रकट करने के लिय यहाँ आया। इस घटना ने राज ठाकरे की एम.एन.एस. तथा भाजपा को उद्धव ठाकरे सरकार पर हमला बोलने का अवसर दे दिया। जब महाराष्ट्र सरकार ने इस मकबरे की सुरक्षा-व्यवस्था बढ़ा दी तो एम.एन.एस. तथा भाजपा नेताओं ने सरकार के इस निर्णय पर सवाल खड़े किये। एम.एन.एस. प्रवक्ता गजानन काले ने कहा, ''छत्रपति शिवाजी की भूमि पर औरंगज़ेब की कब्र की जरूरत क्या है? इस मकबरे को ध्वस्त कर दो। बाला साहेब ने भी यही कहा था।'' वरिष्ठ भाजपा नेता प्रसाद लाल ने प्रश्न किया, ''क्या बाला साहेब ठाकरे का हिन्दुत्व यही है? या फिर यह शरद पवार और सानिया गांधी का हिन्दुत्व है? औरंगज़ेब ने मंदिर नष्ट कर दिये थे। जब तक यह मकबरा ध्वस्त नहीं कर दिया जाता, हम चैन से नहीं बैठेंगे।'' वरिष्ठ भाजपा नेता तथा पूर्व मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने कहा: ''बाला साहेब को यह देखकर बहुत कष्ट हुआ होता कि उनके पुत्र के शासनकाल में, हनुमान चालीसा का पाठ राजद्रोह हो जायेगा तथा औरंगजेब के मकबरे पर जाना एक अनुष्ठान (प्रोटोकॉल)।

औरंगजेब का मकबरा भी मुगलकाल के उन 4000 स्मारकों में शामिल है, जो ए.एस.आई. संरक्षित राष्ट्रीय महत्व के स्थल हैं। ये स्थल 1991 के पूजा स्थल अधिनियम के तहत संरक्षित हैं।

'घर-घर राशन नहीं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को आप सरकार की घर-घर राशन पहुँचाने की उस योजना को रद्द कर दिया, जिसका मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने बड़ी धूमधाम से प्रचार-प्रसार किया था तथा

- **दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार की बहुप्रचारित, राशन की होम डिलीवरी योजना पर रोक लगा दी। ये आदेश दिल्ली सरकारी राशन संघ की याचिका पर दिए गए।**

कहा था कि सरकार के इस कदम से उचित मूल्य की दुकानों द्वारा की जाने वाली राशन के सामान की काला बाजारी रुक जायेगी। यह फैसला दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल के इस्तीफे के एक दिन बाद आया है, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने बनारस के न्यायालय को आगे सुनवाई से रोका

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अब वह शुक्रवार को दोपहर 3 बजे इस ''ज्ञानवापी मस्जिद प्रकरण'' की स्वयं सुनवाई करेगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। सर्वोच्च न्यायालय ने वाराणसी की अदालत, जिसमें ज्ञानवापी मस्जिद केस विचाराधीन हैं, से गुरुवार को कह दिया कि इस मामले में आगे की कोई कार्यवाही न करे क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय उसे अपने हाथ में ले रहा हैं। अब इसकी अगली सुनवाई शुक्रवार को अपरान्ह 3 बजे होगी।

न्यायमूर्ति डॉ.डी.वाई. चन्द्रचूड एवं पेमिदिघंतम श्री नरसिम्हा की बैंच ने यह निर्णय उस समय लिया, जब बैंच की जानकारी में यह बात लाई गई कि वरिष्ठ वकील हरिशंकर जैन, जो वाराणसी की अदालत में हिन्दू पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, इस बुधवार को

- **बनारस के न्यायालय द्वारा गठित कमीशन ने तीन दिन, 14, 15, 16 मई को काशी विश्वनाथ मंदिर व ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में सर्वे करके, अपनी रिपोर्ट बंद लिफाफे में बनारस के न्यायालय को 19 मई को सौंपी।**

ही अस्पताल से ठीक होकर घर आ गये हैं। ज्ञातव्य है कि वे पिछली तारीख को अस्वस्थ थे।

अदालत द्वारा नियुक्त उस आयोग ने अपनी सीलबंद रिपोर्ट गुरुवार को वाराणसी अदालत में पेश कर दी। इस आयोग को काशी विश्वनाथ मंदिर-ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वे करने की जिम्मेदारी दी गई थी। वरिष्ठ वकील आयुक्त विशाल सिंह ने भी अदालत को तीन बॉक्स सौंप दिये हैं जिनमें से प्रत्येक में सर्वे के अलग-अलग दिनों-14, 15 तथा 16 मई को की गई वीडियो रिकॉर्डिंग बंद हैं।

शीर्ष अदालत ने इससे पहले अधिकारियों को आदेश दिये थे कि वे इस कॉम्पलेक्स के उस स्थान की विशेष सुरक्षा रखें, जहाँ एक शिवलिंग मिला बताते हैं। इसके अलावा अदालत ने लोगों को बिना किन्हीं प्रतिबंधों के मस्जिद में नमाज पढ़ने की इजाज़त दे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिद्धू को जेल

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। सर्वोच्च न्यायालय ने क्रिकेटर से सुप्रसिद्ध टी.वी. हस्ती तथा उसके बाद राजनेता बने नवजोत सिंह सिद्धू (58) को गुरुवार को एक वर्ष के कठोर कारावास का दंड दे दिया। यह सजा उन्हें 34 साल पुराने एक सडक हादसे केस में दी गई

- **कांग्रेस नेता और टी.वी. की चर्चित हस्ती नवजोत सिंह सिद्धू को 34 साल पुराने सड़क दुर्घटना मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक साल की कैद की सजा सुनाई।**

है। सिद्धू के लिये यह दूसरा आघात है। इससे पहले पंजाब विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जबरदस्त हार होने के बाद, पार्टी ने उन्हें पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष से हटा दिया था।

लेकिन, न्यायमूर्ति ए.एम. खानविल्कर तथा एस.के. कौल की बैंच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

1948 में आज़ादी प्राप्त करने के बाद श्रीलंका विदेशी ऋण चुकाने में असमर्थ रहा

ये ऋण अप्रेल में देय हो गये तथा श्रीलंका को एक माह का ''ग्रेस पीरियड'' मिला, वह भी गुरूवार को खत्म हो गया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। बढ़ती वैश्विक महंगाई, यूक्रेन युद्ध की अनिश्चितता और खासतौर पर यू.एस. फैडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की संभावना के कारण भारत में भी वित्तीय संकट की आहट सुनाई दे रही है।

गुरूवार को इन्टर- डे ट्रेडिंग के दौरान भारतीय करेंसी एक डॉलर की तुलना में सबसे कम 77.72 रूपए रही। भारतीय करेंसी को आर्थिक सुधारों के बाद वर्ष 1992 के दौरान अन्य करेन्सीज़ की तुलना में परिवर्तनशील होने की अनुमति दी गई थी। उसके बाद यह उसकी एक ऐतिहासिक गिरावट है।

आज शेयर बाजार में भी करीब 2.6 प्रतिशत की जबर्दस्त गिरावट रही और एक ही दिन में अनुमानतः निवेशकों का 7 लाख करोड़ रुपया डूब गया। यह पिछले दो माह में हुई सर्वाधिक गिरावट है।

- **पर, ऋण नहीं चुकाना कई बार देश के लिये वरदान भी साबित होता है। जैसे 1991-92 में भारत लगभग ऐसी ही, श्रीलंका जैसी स्थिति में था।**
- **पर, फिर इस झटके के बाद भारत ने इकॉनमी को खोलने का साहसिक निर्णय लिया तथा उदारवादी नीति जैसे कई ठोस निर्णय लिये और भारत की इकॉनमी फिर से उठ खड़ी हुई थी।**
- **क्या श्रीलंका भारत के उदाहरण का अनुसरण कर सकेगा, क्योंकि परिस्थिति में थोड़ा फर्क है। श्रीलंका ने चीन के सस्ते ऋण के लालच में कई अतिमहत्वाकांक्षी प्रोजैक्ट्स हाथ में ले लिये थे। ये प्रोजैक्ट या तो पूरे नहीं हुए और पूरे हो भी गये तो उन प्रोजैक्ट्स से वो आर्थिक लाभ नहीं हुआ, जिसका सपना दिखाया गया था।**

पड़ोस में भी आर्थिक संकट है। भारत का पड़ोसी एवं आर्थिक व राजनीतिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका ने गुरूवार को ऋणों की वार्षिक अदायगी में आधिकारिक चूक कर दी। इस देश को अपने परिपक्व कर्जों के भुगतान करने थे, जिसमें वह चूक गया। यह पहली बार है, जबकि श्रीलंका अपनी भुगतान बाध्यताओं में विफल रहा है और वर्ष 1948 में मिली स्वतंत्रता के बाद उससे इस संबंध में पहली बार चूक हुई है।

भुगतानों को लेकर श्रीलंका की चूक वास्तव में अनदेखी नहीं थी और वित्तीय बाजारों को ऐसा होने की उम्मीद थी। इससे पहले जब राजपक्षे भाईयों की पूर्ववर्ती सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन को लेकर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे, तब देश के वित्त मंत्री ने घोषणा की थी कि श्रीलंका 12.6 बिलियन डॉलर के विदेशी ऋणों को चुकाने की स्थिति में नहीं होगा।

एक तरह से यह एक अविचारित चूक थी क्योंकि जब ऋण अप्रैल माह में ही परिपक्व हो गए थे तब वह बकाया भुगतान में शुरू में ही चूक गया था। इस देश ने अपने पेमेन्ट्स का ग्रेस पीरियड भी गुरूवार को खो दिया।

श्रीलंका को वर्तमान आर्थिक संकट पर पार पाने के लिए करीब 4 बिलियन डॉलर के ऋण की तुरंत आवश्यकता है। बैंक ऑफ सीलोन के गवर्नर ने कहा कि चूंकि अब एक नए प्रधानमंत्री एवं उनका मंत्रिमण्डल है, इसलिए देश में कुछ करने की उम्मीद जगी है। नए वित्त मंत्री एक लघु अवधि में बेल आउट के कुछ समझौतों पर साइन करने की स्थिति में होंगे।

फायनैंशियल मार्केट्स के कुछ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जी.एस.टी. लॉ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। गुड्स एण्ड सर्विसेज़ टैक्स (जी.एस.टी.) व्यवस्था पर असर डालने वाले एक बड़े निर्णय के अन्तर्गत, सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को फैसला दिया कि जी.एस.टी. काउंसिल के निर्णय केवल अनुशंसात्मक

- **सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी कर कहा कि, केन्द्र व राज्य अपना-अपना जी. एस. टी. लॉ बना सकते हैं, जी. एस. टी. काउन्सिल के फैसलों को मानना जरूरी नहीं है।**

हैं, बाध्यकारी नहीं, क्योंकि संसद तथा राज्य विधायिकाओं को भी जी.एस.टी. पर कानून बनाने के समान अधिकार प्राप्त हैं। ''मोहन पैरा मिनरल्स'' के केस में समुद्री परिवहन से संबंधित मामले में, गुजरात उच्च न्यायालय के फैसले का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सड़क हादसे में पहाड़ी के गांव खंडेवला निवासी पांच की मौत

मरने वालों में 4 चचेरे-ममेरे भाई और एक भांजा था

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जिले के पहाड़ी के छोटे से गांव खंडेवला में कोहराम मचा है । एक परिवार के पांच जनों की पहाड़ी थाना इलाके में कल रात दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। इस कार हादसे में दो सगे भाई भी थे। दोनों भाइयों की शादी 8 मई को दो बहनों के साथ हुई थी। मरने वालों में 4 चचेरे-ममेरे भाई और एक भांजा था।

मृतक के परिजन आसिम खान ने बताया कि हरियाणा से एक रिश्तेदार आए थे। जिन्होंने नई कार खरीदी थी। गत शाम दुकान जाने की कहकर सभी भाई कार से 8 बजे के करीब घर से निकल गए। बहुत देर तक जब वे नहीं लौटे तो चिंता होने लगी। फोन लगाया तो एक ग्रामीण ने उठाया। वह बोला कि यहां एक्सीडेंट हुआ है, सब खत्म हो गये।

कार में इम्तियाज (20) और वासिम (18) सगे भाई भी थे। दोनों की 8 मई को दो बहनों से शादी हुई थी। शादी में ही पूरा परिवार जुटा था। हादसे में इम्तियाज गंभीर घायल हो गया, अलवर में उसका इलाज चल रहा है। वासिम की मौत हो गई। सभी मृतकों के परिवार आर्थिक तौर पर कमजोर हैं। इसके अलावा कार में इम्तियाज का भांजा आशिक भी था, जिसकी मौत हो गई। चचेरे भाइयों फरदीन, अरबाज और परवेज की भी मौत हो गई। सभी परिजन पहाड़ी अस्पताल पहुंचे और सभी को अलवर अस्पताल लेकर गए। जहां पांच युवकों ने एक के बाद एक दम तोड़ दिया। इम्तियाज की हालत भी नाजुक है।

घटना के बाद गांव खंडेवला के परिवार में पसरा मातम।

रिश्वत लेते तहसीलदार, सहायक प्रशासनिक अधिकारी व दलाल गिरफ्तार

संशोधित पेंशन में विभाग द्वारा निकाली गई कमी की पूर्ति के एवज में ली रिश्वत

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के कस्वा डीग में गुरुवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो भरतपुर की टीम ने 5 हजार की रिश्वत लेने के आरोप में डीग के तहसीलदार के साथ उनके सहायक प्रशासनिक अधिकारी तथा एक दलाल को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

कार्यवाही के दौरान ब्यूरो की टीम ने रिश्वत की राशि को सहायक प्रशासनिक अधिकारी से बरामद कर लिया। ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश मीणा ने बताया कि तहसील डीग से सेवानिवृत पटवारी धौला कुआं कामां निवासी मुरारी लाल शर्मा से उनकी संशोधित पेंशन में पेंशन विभाग जयपुर द्वारा किये गये एतराज की पूर्ति करने की एवज में 5,000/- रूपये रिश्वत की मांग की गई थी।

शिकायत के सत्यापन के बाद गुरुवार को तहसील डीग के तहसीलदार 55 वर्षीय अशोक कुमार शाह के कहने पर सेवानिवृत पटवारी ने रिश्वत की राशि को बरौली चौथ पुलिस थाना सदर डीग निवासी 27 वर्षिय दलाल कृष्ण कुमार पुत्र प्रेमसिंह जाट को थमा दिया, जिसने रिश्वत की इस रकम को खांगरी थाना नदबई निवासी सहायक प्रशासनिक अधिकारी तहसील डीग प्रकाश सिंह जाट को दे दी। आरोपी प्रकाश सिंह द्वारा रिश्वत राशि प्राप्त कर अपनी पहनी हुई शर्ट की जेब में रख ली, लेकिन ट्रेप की भनक लगने पर उसने अपनी जेब में से रिश्वत राशि निकाल कर अपने कार्य करने की टेबल के नीचे छुपा दी। वह इसे ब्यूरो की नजरों से नही बचा सका। गिरफ्तार तहसीलदार अशोक कुमार शाह पुत्र लक्ष्मीचन्द जैन मूल रूप से सरकारी हॉस्पीटल के सामने बागीदौरा पुलिस थाना कलिंजरा जिला बांसवाडा के निवासी है।

भरतपुर एसीबी की टीम ने डीग कस्बे में कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

रेस्क्यू किये गये पैंथर की देर रात मौत

सरदारशहर, (निसं)। क्षेत्र के गांव बन्धनाऊ दिखनादा की रोही में बुधवार दोपहर में पैंथर दिखने की सूचना वन विभाग की टीम को मिली थी। वन विभाग के रेंजर अनूप कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। जहां पर अमरुराम के खेत में बने स्वीच रूम में पैंथर छुपा हुआ मिला।

पैंथर को पकडने के लिए वन विभाग, सरदारशहर व चूरू की टीम और ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए स्वीच रूम के चारों तरफ जाल लगाकर बन्द कर दिया। इसके बाद देर रात जयपुर से रेस्क्यू टीम पहुंचकर पैंथर का रेस्क्यू कर स्थानीय वन विभाग के कार्यालय में ले गए। जहां पर देर रात पैंथर की मौत हो गई। गुरुवार को सुबह वन विभाग की टीम ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर दफना दिया।

जालोर के क्षेत्रीय वन अधिकारी-दो वन रक्षक रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

जालोर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो सिरोही की टीम ने गुरूवार को ट्रेप की कार्यवाही करते हुए जालोर वन विभाग के क्षेत्रीय वन अधिकारी व दो वन रक्षक को दस हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथो गिरफ्तार किया।

एसीबी सिरोही के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश चौधरी के अनुसार परिवादी ने नाम उजागार नही करने की शर्त पर एक लिखित शिकायत कर बताया कि वह कोयला व्यवसायी है तथा जालोर से भिवाडी - अलवर की तरफ कोयला से भरी हुई गाड़ी को 17 मई को भागली टोल प्लॉजा जालोर पर जालोर वन विभाग के भास्कर चौधरी पुत्र मांगेराम जाट निवासी सांगरोद तहसील खेडका जिला बागपत उत्तर प्रदेश हाल क्षेत्रीय वन अधिकारी द्वितीय, वन बंदोबस्त जालोर महिपाल सिंह निवासी आशापूर्णा कॉलोनी जालोर हाल वन रक्षक क्षेत्रीय वन अधिकारी कार्यालय जालोर व जितेन्द्र कुमार उर्फ विराट जीनगर निवासी निम्बला तहसील आहोर हाल वन रक्षक क्षेत्रीय वन अधिकारी कार्यालय जालोर ने गाड़ी रूकवाकर परिवादी कोयला व्यवसायी को मौके पर बुलाकर गाड़ी छोड़ने के एवज में पचास हजार रूपये लिया जाना तय कर चालीस हजार रूपये मौके पर उसी वक्त प्राप्त कर गाडी को छोड़ा ।

क्षेत्रीय वन अधिकारी भास्कर चौधरी, वन रक्षक महिपालसिंह व जितेन्द्र उर्फ विराट ने बकाया राशि दस हजार रूपये तथा आगे से जालोर क्षेत्र में व्यवसाय करने के एवज में परिवादी कोयला व्यवसायी से प्रतिमाह प्रति गाडी दस हजार रूपये की मंथली बंधी तय की गई। जिसकी शिकायत परिवादी ने 18 मई को एसीबी सिरोही को दी। जिस पर 19 मई गुरूवार को वक्त सत्यापन बकाया राशि दस हजार रूपये मांगने एवं आगे से प्रतिमाह प्रति गाडी दस हजार रूपये मंथली बंधी के रूप में तीन गाड़ियो की पुष्टि होने पर गुरूवार को ट्रेप की कार्यवाही करते हुए सभी आरोपितो को बकाया रिश्वती राशि दस हजार रूपये प्राप्त करते हुए रंगे हाथों गिरफतार किया। राशि बरामद कर क्षेत्रीय वन अधिकारी भास्कर चौधरी, वन रक्षक महिपालसिंह व वनरक्षक जितेन्द्र कुमार उर्फ विराट को गिरफतार कर एसीबी की टीम ने अग्रिम कार्यवाही पुलिस थाना जालोर में शुरू की।

श्रीगंगानगर में तापमान 46 डिग्री सैल्सियस के पार

श्रीगंगानगर, (निसं)। गुरुवार को इलाका एक बार फिर तपने लगा। बुधवार के मुकाबले तापमान में करीब दो डिग्री सेल्सियस की तेजी से सड़कों पर सन्नाटा पसर गया। वहीं शाम छह बजे तक हवा में लू के थपेड़ों का असर महसूस हो रहा था।जो लोग सड़कों पर निकले भी तो गर्मी से बचाव के तमाम इंतजाम के साथ। दोपहर में लू के थपेड़ों से बचने के लिए अधिकांश लोगों ने सिर और चेहरों को पूरी तरह टोपी और साफों से ढक लिया। शहर के पार्कों में दोपहर में लोग पेड़ की छांव में गर्मी से निजात पाते दिखे। तापमान में बुधवार के मुकाबले करीब दो डिग्री सेल्सियस की तेजी आई। बुधवार को जहां अधिकतम तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस था वहीं गुरुवार को यह 46.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। न्यूनतम तापमान भी 27.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

चौरू क्षेत्र में खुले आम हो रहा अवैध बजरी परिवहन

उनियारा/चौरू, (निसं)। उनियारा उपखण्ड क्षेत्र चौरू में रॉयल्टी की रसीद नहीं कटवा बजरी माफिया अपने दबंगता का डर दिखाकर खुलेआम बजरी का परिवहन कर रहे हैं इससे राज्य सरकार को रोजाना लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

- **रॉयल्टी की रसीद नहीं कटवा बजरी माफिया दबंगता से कर रहे परिवहन**

अलीगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत चौरू क्षेत्र में चौथ का बरवाड़ा सड़क मार्ग से होते हुए खुलेआम दिनदहाड़े बजरी का परिवहन हो रहा है, जिन्हें रोकने टोकने वाला कोई नहीं है। सूर्योदय से देर रात्रि तक इस सड़क मार्ग पर बजरी माफियाओं का राज रहता है। एक साथ 50-50 ट्रैक्टर ट्रॉली बजरी से ओवरलोड भरकर बिना रॉयल्टी रसीद कटवाए हुए फिल्मी अंदाज में इस मार्ग पर दिनदहाड़े चलते हैं।

पुलिस में शिकायत होने के बाद भी इस मार्ग पर गस्त नहीं होना पुलिस की कार्यशैली पर भी सवालिया निशान है। चौथ का बरवाड़ा के पास बनास नदी होने के कारण बजरी माफिया इस नदी से बजरी का अवैध खनन करते हुए चौथ का बरवाड़ा से चौरू होते हुए इस मार्ग पर खुलेआम अवैध रूप से बजरी का परिवहन करते हैं।

अलीगढ़ थाना पुलिस ने अवैध ट्रोलियों को जब्त किया।

विधायक मलिंगा को कंधों पर बैठाकर रोड शो निकाला

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के बाड़ी विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद बुधवार शाम को उनकी कोरोना रिपोर्ट भी नैगेटिव आ गयी थी। जिसको लेकर गुरुवार को उन्हें जिला अस्पताल धौलपुर से डिस्चार्ज किया। विधायक मलिंगा को डिस्चार्ज की खबर सुनकर उनके समर्थक हजारों की संख्या में जिला चिकित्सालय धौलपुर पहुंच गए और विधायक से मुलाकात की । इस दौरान समर्थकों ने विधायक के पक्ष में जमकर नारेबाजी भी की। इसके अलावा उन्हें कंधे पर बिठाकर आमजन के बीच ले जाया गया और जश्न मनाया। विधायक के डिस्चार्ज होने के बाद उनके द्वारा धौलपुर शहर में एक रोड शो भी निकाला जो शहर के मुख्य मार्गों से निकला। इस दौरान विधायक का जगह-जगह लोगों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

रोड शो जिला चिकित्सालय धौलपुर से शुरू होकर हरदेव नगर, सराय गजरा रोड, लाल बाजार, गांधी पार्क, पैलेस रोड और गुलाब बाग चौराहा होता हुआ जगदीश चौराहे धौलपुर पर जाकर संपन्न हुआ। जहां से विधायक मलिंगा गाड़ियों से अपने काफिले के साथ बाड़ी के लिए रवाना हो गए। रोड शो में विधायक मलिंगा के साथ प्रदेश के राज्य मंत्री राजेंद्र गुढा, एससी एसटी आयोग के अध्यक्ष खिलाड़ी लाल बैरवा, विधायक वाजिब अली, विधायक लाखन मीणा और संदीप यादव भी मौजूद रहे। मलिंगा ने कहा कि साजिश के तहत उन्हें फंसाया गया, लेकिन उन्होंने अपनी गिरफ्तारी देकर कानून की पालना की और उन्हें कानून पर पूरा भरोसा था। यही वजह है कि न्यायपालिका से उन्हें न्याय मिला।

बाड़ी विधायक मलिंगा का उनके समर्थकों ने धौलपुर में रोड शो निकाला।

- **मलिंगा को हाईकोर्ट से मिली जमानत**

पुलिस के पीछा करने पर गैंगस्टर की कार पत्थर से टकराकर खेत में गिरी

खैरथल, (निसं)। खैरथल थाना पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टर गब्बर उर्फ गबरु व नरेश उर्फ नरसी सहित पांच कार सवारों को पीछा करते हुए गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी भगवान सहाय शर्मा ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के विरूद्ध हरियाणा व राजस्थान में हत्या, हत्या के प्रयास,फायरिंग, राजकार्य में बाधा, हमले के करीब आधा दर्जन से अधिक संगीन मुकदमे सीमावर्ती हरियाणा के बावल व राजस्थान के मुंडावर थाना में दर्ज है।

उन्होंने बताया कि हरियाणा नंबर वाली एक कार में सवार होकर बीबीरानी की ओर से हरसौली की तरफ आने की इतला पर खैरथल में पेहल मोड़ पर नाकाबंदी की गई थी जहां आरोपी नाकाबंदी तोड़ कर मातौर की तरफ भागे जिस पर पुलिस ने पीछा किया तब शाहपुरा के मोड़ पर सड़क किनारे पत्थर से टायर के टकराने पर कार असंतुलित होकर खेतों में जाकर पलट गई।

पुलिस ने उक्त कार मे सवार गब्बर जाट व नरेश उर्फ नरसी जाट व उनके साथियों को गिरफ्तार कर लिया। पांचों बदमाशों को राजकार्य में बाधा पहुंचाने पर गिरफ्तार किया गया व क्षतिग्रस्त कार को जप्त किया गया। आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से पुलिस अभिरक्षा में सौंपा गया।

पकड़े गए आरोपियों गब्बर उर्फ गबरू पुत्र रिसाल सिंह जाट निवासी प्राणपुरा पुलिस थाना बावल जिला रेवाडी हरियाणा नरेश उर्फ नरसी पुत्र शुभराम जाट निवासी सुबासेडी पुलिस थाना बावल जिला रेवाडी हरियाण लोकेश पुत्र किरोडीमल जाति जाट निवासी सुबासेडी पुलिस थाना बावल रेवाडी हरियाणा।सुमित पुत्र प्रकाश जाट निवासी प्राणपुरा पुलिस थाना बावल जिला रेवाडी हरियाणा अशोक कुमार पुत्र लख्मीचंद जाति जाट निवासी टोकसवाडा मोहल्ला वार्ड नं. 13 कोटकासिम पुलिस थाना कोटकासिम जिला भिवाड़ी अलवर है।

चंबल के बीहड़ों में रेल पटरियों के बीच बुजुर्ग का शव मिला

धौलपुर, (निसं)। रेल फाटक धौलपुर से आगे चंबल के बीहड़ों में पटरियों के बीच गुरुवार दोपहर एक बुजुर्ग का क्षत-विक्षत शव मिला है। मालगाड़ी के ड्राइवर की सूचना पर मौके पर पहुंची जीआरपी ने शव की पहचान के लिए आसपास के लोगों को बुलाया लेकिन पहचान ना होने पर शव को जिला अस्पताल धौलपुर की मोर्चरी में रखवा दिया। जीआरपी चौकी प्रभारी बनवारी लाल ने बताया कि जेल फाटक से आगे चंबल के बीहड़ों में पटरियों के बीच एक बुजुर्ग का शव मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंचे। शव की आसपास के लोगों से पहचान कराई गई, लेकिन कोई पहचान नहीं पाया। उन्होंने बताया कि बुजुर्ग के शव के पास से एक लकड़ी का बेंत और पानी की बोतल मिली है, जिसको लेकर बुजुर्ग के आसपास के क्षेत्र का किसान होने की संभावना जताई जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत होना लग रहा है। लेकिन फिर भी हर पहलू से घटना की जांच की जा रही है।

- **शव के पास से एक लकड़ी का बेंत और पानी की बोतल मिली**
- **बुजुर्ग के आसपास के क्षेत्र का किसान होने की संभावना जताई**

भूमि रूपान्तरण करने की एवज में पटवारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो उदयपुर ईकाई ने भूमि रूपान्तरण करने के एवज में परिवादी से 28 हजार रूपये रिश्वत लेने वाले बांसवाड़ा नागावाड़ा हल्का पटवारी को गिरफ्तार किया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों के महानिदेश भगवानलाल सोनी ने बताया कि एसीबी की उदयपुर ईकाई को परिवादी ने शिकायत दी कि भूमि का कृषि भूमि से आबादी में रूपान्तरण करने की एवज में पटवारी हल्का नागावाड़ा बांसवाड़ा अतिरिक्त चार्ज नाल तहसील बागीदौरान बांसवाड़ा परमेश्वर सोलकी द्वारा 40 हजार रूपये रिश्वत मांग कर परेशान कर रहा है।

इस पर एसीबी उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल एवं पुलिस अधीक्षक राजीव पचार के सुपरविजन में एसीबी चित्तौड़गढ़ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रमसिंह द्वारा शिकायत कर सत्यापन किया गया। इस पर गुरूवार को इस पर एसीबी ब्यूरों उदयपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा के नेतृत्व में निरीक्षक डॉ.सोनू शेखावत के नेतृत्व में गठित दल ने बांसवाड़ा में ट्रेप कार्यवाही करते हुए पटवारी छीछ तहसील बागीदौरान बांसवाड़ा हॉल पटवारीहल्का नागावाड़ा अतिरिक्त चार्ज नाल तहसील बागीदौरा जिला बांसवाड़ा परमेश्वर सोलंकी पुत्र वालसिंह सोलकी को परिवादी से 28 हजार रूपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। उल्लेखनीय है कि आरोपी पटवारी द्वारा शिकायत के सत्यापन के दौरान ही परिवादी से 12 हजार रूपये रिश्वत राशी वसूल कर ली थी। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एमएन के निर्देशन में आरोपी पटवारी से पूछताछ एवं उसके मकान व अन्य ठिकानों पर तलाशी की जा रही है।

आरोपी परमेश्वर सोलंकी।

- **28 हजार रुपये की रिश्वत लेते किया गिरफ्तार**

अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 21 से

भीलवाडा, (निसं)। राजस्थान प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक सीधी भर्ती 2021-22 अन्तर्गत गैर अनुसूचित क्षेत्र में अध्यापक, लेवल-प्रथम, सामान्य शिक्षा व विशेष शिक्षा के पदों हेतु अस्थाई (प्रोविजनल) चयनित अभ्यर्थियों लेवल-प्रथम के सामान्य शिक्षक तथा लेवल प्रथम के विशेष शिक्षक अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 21 व 22 मई को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक काउंसलिंग स्थल राजेन्द्र मार्ग भीलवाड़ा में आयोजित की जावेगी।

- **राजेन्द्र मार्ग भीलवाड़ा में आयोजित होगी काउंसलिंग**

जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) प्रारम्भिक योगेश चन्द्र पारीक ने बताया कि नव चयनित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग हेतु पंजीयन प्रातः 8.30 बजे से 10 बजे तक किया जावेगा। काउन्सलिंग में संबंधित अभ्यर्थी को अपने मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र तथा उसकी एक छाया प्रति साथ लाना अनिवार्य होगा। सर्वप्रथम दिनांक 21 मई, 2022 को लेवल प्रथम के दिव्यांग (महिला/पुरुष)/ विधवा/ परित्यक्ता/ सामान्य महिला अभ्यर्थी तथा 22 मई, 2022 को सामान्य पुरूष अभ्यर्थियों की काउंसलिंग सम्पादित की जावेगी।

हॉलीवुड सुपर हीरो के साथ मूवी में दिखेंगे लक्ष्मणगढ़ सरकारी स्कूल के स्टूडेंट्स

फ्लोराइड युक्त पानी की समस्या पर बनी इस डॉक्यूमेंट्री में 300 बच्चों को मौका मिला है

अलवर, (निसं)। हॉवीवुड सुपर हीरो हॉक आई (जेरेमी रेनर) के साथ मूवी में राजस्थान के स्टूडेंट्स दिखेंगे। ये स्टूडेंट्स किसी प्राइवेट स्कूल के नहीं हैं, बल्कि अलवर के लक्ष्मणगढ़ स्थित सरकारी स्कूल के हैं। फ्लोराइड युक्त पानी की समस्या पर बनी इस डॉक्यूमेंट्री में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के 300 बच्चों को मौका मिला है। 2 स्टूडेंट्स तो बाकायदा एक्टिंग करते हुए दिखेंगे। इसमें अनिल कपूर भी प्रमुख भूमिका में हैं। दरअसल प्रिंसिपल धनमत खान की पहल से बच्चों को मीठा पानी नसीब होने लगा था । पूरे इलाके के पानी में फ्लोराइड है, मीठे पानी के लिए किए गए प्रयास और समस्या को उजागर करने के लिए डॉक्यूमेंट्री बनाई जा रही है। जेरेमी रेनर ने पूरी टीम के साथ अलवर में 3 दिन बिताए। केसरोली फोर्ट में यूनिट रात में रुकती थी। बुधवार शाम 5 बजे टीम यहां से रवाना हो गई। जाते-जाते वो स्कूल प्रबंधन को 80 लाख रुपए का वाटर प्यूरीफायर दे गए।

हॉलीवुड की एवेंजर्स सीरीज के सुपर हीरो हॉक आई ने बच्चों व प्रिंसिपल से कहा कि वे गोवा की राइटर डॉ. स्वप्निल के जरिए बच्चों की मदद करने को वे हमेशा तैयार रहेंगे । डॉ. स्वप्निल ने ही प्रिंसिपल से संपर्क किया था वे जेरेमी रेनर के सीधे संपर्क में हैं। अलवर के लक्ष्मणगढ स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल के 12वीं में पढ़ने वाले रितेश को डॉक्यूमेंट्री में एक्टिंग करने का मौका मिला है।

डॉक्यूमेंट्री में स्कूल की 9वीं क्लास की छात्रा रोशनी फ्लोराइड युक्त पानी के बारे में बताती नजर आएंगी। 12वीं क्लास के स्टूडेंट रितेश के पिता की डेथ का जिक्र भी आएगा। फिलहाल डॉक्यूमेंट्री को लेकर ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की गई है। फिल्म में प्रिंसिपल धनमत खान भी नजर आएंगे। डॉक्यूमेंट्री की यूनिट में अमेरिका के कैलिफोर्निया की टेक्निकल टीम, कनाडा के एक्टर रॉरी, मुंबई, दिल्ली व गोवा से कलाकार और तकनीशियन आए थे। पानी को लेकर बनने वाली डॉक्यूमेंट्री के लिए राजस्थान में काफी समय से लोकेशन की तलाश की जा रही थी। सिरोही-पाली तक भी टीम के सदस्य गए थे। लक्ष्मणगढ की यह स्कूल पूरी टीम को पसंद आई। सरकारी स्कूल पुराने किलेनुमा भवन में चल रहा है। ग्रामीण इलाका है। दिल्ली से यह इलाका करीब भी था।

वॉलीवुड स्टार अनिल कपूर के साथ नजर आए स्कूली बच्चे।

अनियंत्रित कार बिजली के पोल से टकराई, 3 घायल

गंगापुर सिटी । बाटोदा थाना इलाके की बरनाला रोड स्थित राजीव गांधी सेवा केंद्र के समीप गुरुवार को एक तेज रफ्तार कार बिजली के पोल से टकरा गई। हादसे में 3 युवक घायल हो गए। कार की स्पीड इतनी ज्यादा थी कि बिजली के पोल के तीन टुकडे हो गए और कार का पिछला टायर खुलकर अलग हो गया।

बाटोदा थानाधिकारी विवेक हरसाना ने बताया की एक अल्टो कार में मलारना चोड निवासी पिंटू पुत्र विनोद हरिजन, विनोद पुत्र रामू हरिजन, अर्जुन पुत्र लालू हरिजन निवासी बाटोदा और रवि बरनाला के एक तालाब में नहाकर वापस आ रहे थे। इसी दौरान उनकी कार अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकरा गई। गाडी की गति अधिक होने के कारण पोल के तीन टुकडे हो गए। वहीं कार का पीछे का पहिया खुलकर अलग हो गया। दुर्घटना में पिंटू, विनोद और अर्जुन घायल हो गए। सूचना के बाद बाटोदा थानाधिकारी विवेक हरसाना मौके पर पहुंचे। एंबुलेंस और साधनों की कमी के चलते बमुश्किल निजी वाहन द्वारा घायलों को बाटोदा अस्पताल लाया गया।

संविदा कर्मियों का अनिश्चितकालीन अवकाश 14 वें दिन भी जारी रहा

करौली (निंसं.)। करौली ब्लॉक के महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत वर्तमान में कार्यरत संविदा कार्मिक नियमितीकरण सहित 10 सूत्रीय मांगों को लेकर गत 5 मई से कार्य का बहिष्कार करते हुए अनिश्चितकालीन अवकाश पर रहकर धरना पर बैठे हुए हैं।लेकिन सरकार उनकी मांगों पर विचार करने को अभी तक गंभीर नहीं है ।

महात्मा गांधी नरेगा कार्मिक संघ के घनश्याम कड़वासरा, दिनेश कुमार मीणा, सुधाकर जैन, अशोक कुमार वैष्णव, गोपाल जोशी,कमलेंद्र मीणा, इमरान खान,पवन गुर्जर आदि ने बताया कि विगत 17 वर्षों से विभिन्न पदों रोजगार सहायक,कंप्यूटर ऑपरेटर मय मशीन कंप्यूटर ऑपरेटर मय मशीन प्लेसमेंट एजेंसी,डाटा एंट्री ऑपरेटर,लेखा सहायक,कनिष्ठ तकनीकी सहायक, सहायक कार्यक्रम अधिकारी, आई ई सी समन्वयक, पर्यवेक्षक समन्वयक,सहायक कर्मचारी आदि

करौली पंचायत समिति परिसर मे मांगों को लेकर धरने पर बैठे नरेगा संविदा कार्मिक।

पदों पर संविदा कार्मिक कार्यरत है। जो अनवरत सरकार की योजनाओं को इमानदारी से ग्रामीणो तक पहुंचा कर लाभान्वित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार को कई आंदोलनों एवं ज्ञापनो के माध्यम से अपनी वेदना सरकार तक पहुंचाने पर भी सरकार द्वारा कार्मिकों के मांगो पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है और ना ही अपेक्षित कार्यवाही की जा रही है। इसलिए समस्त कार्मिकों द्वारा एक बार पुन: अपनी वेदना को दृष्टिगत करते हुए कार्य का बहिष्कार कर एवं अनिश्चितकालीन अवकाश पर रहकर धरना पर बैठे हैं। उन्होंने सरकार से मांग की है कि यदि मांगों को शीघ्र पूरा नहीं किया गया तो कार्य बहिष्कार एवं अनिश्चितकालीन अवकाश जारी रहेगा।

लापता विवाहिता महिला को पुलिस ने किया दस्तयाब

बयाना । बयाना कोतवाली क्षेत्र के गांव नयागांव खुर्द से कई दिन पूर्व मायके जाने की कहकर निकली लापता महिला अब खुद थाने पहुंच गई। जिसे पुलिस ने दस्तयाब करने की कार्रवाही की। इस महिला ने पुलिस को बताया कि उसे कोई भी भगाकर नही ले गया। और ना वह कहीं भागी है। बल्कि वह तो अपनी रिष्तेदारी में ही मिलने चली गई थी। जो अब वापस आ गई है। जब उसे पुलिस कार्रवाही का पता लगा कि उसके लापता होने की पुलिस कार्रवाही की गई है तो वह वापस आ गई। पुलिस ने बताया कि इस महिला के पति बंटूसिंह की ओर से दर्ज कराई गुमषुदगी की रिपोर्ट में बताया था कि उसकी पत्नी पूजा गत 9 मई को अपने मायके पुराबाईखेडा जाने की कहकर घर से निकली थी। जो अभी तक ना तो अपने मायके पहुंची है और नही घर पहुची है। यह विवाहिता महिला अपने साथ घर में रखे 50 हजार रूप्ए नगद व करीब 50 हजार के जेवरात भी ले गई। जो दो बच्चों की मां भी है। इस महिला ने पुलिस को नगदी व जेवर साथ ले जाने की बात को भी गलत बताया है।

सार-समाचार

मनरेगा कार्मिकों ने दिया धरना

वैर ।पंचायत समिति में अपनी मांगों को लेकर मनरेगा कार्मिकों ने धरना दिया तथा मांगे नहीं माने जाने तक कार्य बहिष्कार करेंगे । मनरेगा संविदा कार्मिकों का कहना है कि वे पिछले 17 बर्ष से योजना में नियुक्त होकर कार्य कर रहे है।लेकिन सरकार द्वारा उनकी मांगो पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।सरकार से उनकी मांग है कि कार्यरत संविदा कर्मियों की संख्या के अनुपात में नियमित पदो का सृजन कर उनको समायोजित किया जाए।मनरेगा कार्मिक संघ द्वारा अपनी मांगो को लेकर अनिश्चितकालीन हडताल एवं धरना गुरुवार से पंचायत मुख्यालय पर दिया जा रहा है।इस अवसर पर जे टीए बृजमोहन पुष्प,होरी लाल सैनी,ब्रजेश, जिप्सी मीणा, लेखा सहायक रवि गुप्ता, रोजगार सहायक मनीषा देवी,सत्यवीर ,साहब सिंह कुसुम,विष्णु कुमार शर्मा, कंप्यूटर ऑपरेटर अशोक सैनीआदि कार्मिक मौजूद रहे ।

अवैध शराब के 54 पव्वे जब्त

बयाना । बयाना कोतवाली पुलिस ने गांव खटोला के पास कार्रवाही कर एक जनें के कब्जे से 54 पव्वे अवैध देशी शराब जब्त की है। जबकि आरोपी मौका पाकर भागने में सफल रहा। जिसकी पहचान कर आरोपी के विरूद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस एएसआई महेशचंद ने बताया कि आरोपी की पहचान गांव खटोला निवासी षिवसिंह पुत्र भगवानसिंह गुर्जर निवासी बूचा का बेडा के रूप में की गई है।

चम्बल प्रोजेक्ट की धीमी प्रगति का मामला मंत्री की जनसुनवाई में उठाया

भरतपुर (निसं)। पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने गुरूवार को जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाउस में जनसुनवाई की। जनसुनवाई में आये परिवादों में व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्यायें थी, इसके अतिरिक्त विकास कार्यों के सम्बंध में भी कई प्रकरण आये। पर्यटन मंत्री ने कुछ परिवादों में सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित कर मौके पर ही समाधान करवाया तथा अन्य मामलों में जल्द से जल्द जाँच कर समाधान करने के निर्देश दिये।

चम्बल प्रोजेक्ट की धीमी प्रगति, प्रोजेक्ट की पाइपलाइन बिछाने के काफी समय बाद भी कटी हुई सडकों की मरम्मत न होने या निर्धारित मानक के हिसाब से मरम्मत न होने के प्रकरण जनसुनवाई में आये। इस पर पर्यटन मंत्री ने कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये। इस कार्य में लापरवाही पर कठोर कार्रवाई होगी। उन्होंने निर्देश दिये कि जिन गांवों में अभी पेयजल सप्लाई शुरू नहीं हुई है, वहाँ आवश्यकता के अनुसार पेयजल टैंकर शुरू करें या टैंकरों की

पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने गुरूवार को जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाउस में जनसुनवाई की।

संख्या बढाये। यदि जिले में कहीं भी पेयजल समस्या होती है तो अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जायेगी। उन्होंने चम्बल प्रोजेक्ट, पीएचईडी और जेवीवीएनएल के अधिकारियों को बेहतर समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिये ताकि पेयजल स्रोतों पर अबाध विद्युत सप्लाई सुनिश्चित हो, खराब ट्रांसफार्मर तत्काल बदले जायें तथा नये विद्युत कनेक्शन होने में कम से कम समय लगे।पर्यटन मंत्री को मनरेगा व ग्रामीण विकास के कार्यों संबंधी कई परिवाद दिये गये। इस पर उन्होंने जिला परिषद सीईओ सुशील कुमार को मनरेगा कार्यों की संख्या बढाने, जॉब कार्ड धारकों को प्रपत्र 5 भरवाने के सम्बंध में जागरूक करने, व्यक्गित और सार्वजनिक लाभ के कार्यों में गुणवत्ता और समय सीमा का पूर्ण ध्यान रखने, मनरेगा में विभिन्न विभागों की योजनाओं का अधिक से अधिक कन्वर्जेंस करने के निर्देश दिये।

प्याऊ का शुभारंभ

भरतपुर,(निसं) । लक्ष्मण मंदिर पर सैनी मिष्ठान भंडार के सामने रियासत कालीन प्याऊ को पुन जीर्णोद्धार कर प्याऊ का शुभारंभ मुख्य अतिथि केके खंडेलवाल आयुक्त देवस्थान विभाग , रोहित महाराज महंत खाटू श्याम जी , अध्यक्षता पूर्व पार्षद विमलेश ने फीता काटकर एवं शीतल जल पीला कर शुभारंभ किया गया। अतिथियों का दुपट्टा एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया । स्थानीय पार्षद कपिल फौजदार ने बताया कि उक्त प्याऊ लगभग 25 वर्षों से जीर्ण शीर्ण अवस्था में बंद पड़ी थी। प्रारंभ कराने में स्थानीय व्यापारी एवं आमजन सहयोग रहा । प्याऊ की जीर्णोद्धार कार्य की देखरेख मदनमोहनगुप्ता, ज्ञानू करोला , जोली सराफ ने की धन्यवाद के पात्र हे दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया।। स्थानीय व्यापारी एवं आमजन ने पार्षद कपिल फौजदार का स्वागत सम्मान किया इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की। इस मौके पर पन्नी कोठारी, बृजेश कौशिक,मदन मोहन गुप्ता, ज्ञानू करोला ,जोली सर्राफ, रज्जो सर्राफ, राकेश सराफ, अशोक तांबी, उमेश चंद शर्मा, योगेश सराफ, इंजीनियर पीयूष शर्मा, कलुआ ठाकुर, विपुल खंडेलवाल, बल्लू भाई, कुन्ना खंडेलवाल, नितेश गुप्ता,संतोष चंचलानी आदि मौजूद थे ।

शर्मा का ब्राह्मण समाज एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने सम्मान किया

आलनपुर में सुरेन्द्र शर्मा का माला एवं साफा पहनाकर सम्मान किया

सवाई माधोपुर। अखिल भारतवर्षीय श्रीगुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा राजस्थान में सुरेंद्र शर्मा को प्रदेश सूचना प्रसारण मंत्री बनाए जाने पर कुछ दिनों से ब्राह्मण समाज के लोगों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा शर्मा का सम्मान एवं अभिनंदन किया जा रहा है। इसी के तहत गुरुवार को आलनपुर में भी शर्मा का माला एवं साफा पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर शंभू दयाल जी दीक्षित, चौथमल शर्मा , गोविंद जी सीठा , बाबूलाल शर्मा , प्रदीप जैन, शंकरलाल , ऋषभ कुमार , मुकेश कुमार , कैलाश चंद, प्रहलाद, पिंटू , गिर्राज , महेंद्र, अनिल, रामअवतार, दिनेश सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। शर्मा को सभी ने बधाई एवं शुभकामनाएं देकर उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी। इसके उपरांत शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

औषधि केन्द्रों पर एक माह की अवधि में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

भरतपुर,(निसं) । जिला कलेक्टर आलोक रंजन ने आदेश जारी कर जिले में बाल नशा मुक्ति की प्रभावी रोकथाम के लिए संचालित समस्त ड्रग्स विक्रय करने वाले औषधि केन्द्रों के अन्दर एवं बाहर सीसीटीवी कैमरा लगाये जाने के निर्देश दिये हैं। आदेशों के तहत राजस्थान स्टेट चाइल्ड प्रोटेक्शन सोसायटी द्वारा प्रदत्त दिषा-निर्देशों एवं समस्त औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम 1940 तथा औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम 1945 की अनुसूची में एच, एच-1 एवं एक्स श्रेणी की ड्रग्सों के विक्रय से बाल नशा मुक्ति की प्रभावी रोकथाम के लिए दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 133 की प्रदत्त शाक्तियों के अन्तर्गत जिले में संचालित समस्त ड्रग्स विक्रय करने वाले औषधि केन्द्रों के अन्दर एवं बाहर एक माह की अवधि में सीसीटीवी कैमरे लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। आदेशों की अवहेलना करने पर सम्बन्धित के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

मजदूरी का पैसा मांगा तो मारपीट, 4 जने घायल

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। समीप के गांव तिघरिया का पूरा में मजदूरी का पैसा मांगने पर टाल मालिक व मजदूर में झगड़ा हो गया। बीच बचाव में झगड़े में मजदूर की मां बहन और मौसी भी घायल हो गई । जिन्हें जिला अस्पताल में पहुंचाया गया। जहां मौसी की हालत गंभीर होने के कारण उसे अस्पताल में भर्ती कर लिया गया है। घटना की जानकारी तहरीर के माध्यम से थाने में दे दी गई।

जिला अस्पताल के वरिष्ठ सर्जन डॉ. जेपी मीणा ने बताया कि गांव तिघरिया के पूरा में झगड़ा हो गया मजदूरी के पैसे को लेकर झगड़ा हो गया जिसमें तिघरिया पूरा निवासी शीला पत्नी भीकम, बेवा लखनबाई, प्रियंका व दिलकेश घायल हो गए। जिनमें शीला की हालत गंभीर होने के कारण उसे अस्पताल में भर्ती कर लिया है। बाकी सभी घायलों को प्राथमिक उपचार दे दिया गया। घायल शीला ने बताया कि उसकी बहन लखनबाई का पुत्र दिलकेश पेड़ खोदने के काम पर गया था। शाम को मजदूरी का पैसा मांगने अपने मालिक पिंटू पुत्र बद्री के पास गया तो उसने पैसे देने से इनकार कर दिया और थप्पड़जड़ दिया।

शाम को मामला शांत हो गया। गुरुवार को जब वह काम पर गया तो पिंटू, बद्री, राकेश व उनके परिजनों ने पुत्र दिलकेश को रास्ते में घेर लिया और मारपीट कर दी।

दिलकेश की चीखने की आवाज सुनकर मेरे साथ बचाने पहुंची मेरी बहन लखनबाई, भतीजी प्रियंका को भी उन लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। जैसे तैसे लोगों ने जान बचाकर हमें अस्पताल पहुंचाया है। पुलिस का कहना है कि पीडिता के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है ।

रक्तचाप की स्क्रीनिंग कर दिया परामर्श

करौली (निंसं.) विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर जिले के चिकित्सा संस्थानों पर रक्तचाप की जांच कर उच्च रक्तचाप को नियंत्रण करने हेतु उचित परामर्श और आवश्यक दवाएं प्रदान की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश चंद मीणा ने बताया कि जिले के चिकित्सा संस्थानों सहित स्वास्थ्य कल्याण केंद्रों पर उच्च रक्तचाप की जांच का आयोजन रखा गया। जिसमें 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग वालों के रक्तचाप की जांच की गई और उच्च रक्तचाप पाए जाने वालों को इसे नियंत्रण करने एवं आवश्यक दवाओं के लिए परामर्श प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य कल्याण केंद्रों पर नियुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी(सीएचओ) द्वारा क्षेत्रवासियों को गैर संक्रामक बीमारी से बचाव के लिए आवश्यक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

तहसील कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया

भरतपुर (निसं) । पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के निर्देशन में भारत स्वाभिमान पतंजलि योग समिति के राज्य कार्यकारिणी सदस्य वीरीसिंह कुंतल के द्वारा भरतपुर जिला की नगर तहसील की कार्यकारिणी की बैठक कृष्णा गार्डन मैरिज होम, नगर पर ली गई।

बैठक में पतंजलि किसान सेवा समिति के जिला प्रभारी ओमवीर सिंह एवं जिला कार्यालय प्रभारी आचार्य विश्वपाल सिंह मौजूद थे। तहसील कार्यकारिणी की बैठक में तहसील कार्यकारिणी का पुर्नगठन किया जाकर प्रहलाद मित्तल को तहसील संरक्षक, भगवानदास गुप्ता को भारत स्वाभिमान तहसील प्रभारी, कैलाशचंद जांगिड को पतंजलि योग समिति प्रभारी, ओमप्रकाश शर्मा को पतंजलि किसान प्रभारी, मुकेश अग्रवाल को युवा भारत प्रभारी, दामोदर दास गुप्ता को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। तहसील क्षेत्र में 20 योग कक्षा प्रारम्भ करनी हैं, ग्रामीण क्षेत्र की बडी ग्राम पंचायत मुख्यालय पर 5 दिन का योग शिविर आयोजित किया जाकर योग कक्षाओं को निरंतर जीवित रखना है। प्रत्येक माह के द्वितीय रविवार को तहसील कार्यकारिणी की बैठक की जानी है। गांधी पार्क में कैलाशचंद जांगिड एवं श्रीराम मंदिर पर भगवानदास गुप्ता द्वारा नियमित योग क्लास लगाये जाने पर जिला स्तर से प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। योग साधकों को पतंजलि वैलनेस सेन्टर पर उपचार करने के बारे में विस्तारसे जानकारी दी गई। प्राकृतिक उपचार में एनीमा बस्ती, जलनेति, सूत्र नेती, आईवास करने तथा मर्ड थेरेपी, मिट्टी स्नान, भाप स्नान, बॉडी मशल्स, सिरोधारा आदि के बारे में जानकारी दी गई। प्राकृतिक उपचार हरिद्वार में लिया जा सकता है। मीटिंग में नगरपालिका नगर के चेयरमैन, भगवान सिंह, रतन सिंह सैनी, सुरेश चंद सिंघल, मुकेश अग्रवाल, श्याम सुन्दर शर्मा, सावित्री देवी, कल्लो, सरोज, सुनीता गोयल, मंजू अग्रवाल, दामोदर, विष्णु कुमार आदि उपस्थित रहे।

जल मन्दिर का शुभारम्भ

हलैना, (निसं) । उपखण्ड क्षेत्र के गांव रन्धीरगढ स्थित राजकीय बालिका विद्यालय की अध्यापिका एवं संगठन अस्तित्व की उडान संभाग प्रभारी बलेश पटेल पोसवाल ने एक कदम महिला सुरक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण की ओर अभियान के तहत मटका पद्वति जल मन्दिर का शुभारम्भ करते हुए कहा कि जल सेवा ही मानव का सबसे बडा धर्म है,नि:स्वार्थ भाव से सार्वजनिक स्थल एवं घर के आंगन में पेयजल वास्ते प्याऊ लगाए और अन्य स्थान पर प्याऊ लगाने को लोगों को जागरूक करे। उन्होने कहा कि राहगीर को पीने के पानी को मटका पद्वति जल मन्दिर,वाटर कूलर,पक्षियों को परिण्डा एवं पालतू व जंगली जानवरों को मवेशी प्याऊ का निर्माण कराए। उन्होने बताया कि संगठन अस्तित्व की उडान प्रदेशाध्यक्ष अनीता मीणा के निर्देशन में भरतपुर,दौसा, अलवर, धौलपुर, सवाईमाधोपुर, जयपुर जिले में पक्षी हमारे मित्र अभियान के तहत पक्षियों को परिण्डे तथा एक कदम महिला सुरक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण की ओर अभियान के तहत मटका पद्वति जल मन्दिर आदि कार्यक्रम संचालित है।

पेयजल टेंकर सप्लाई करने के निर्देश

भरतपुर (निसं) । प्रत्येक माह के तीसरे गुरूवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में जिलेभर से आये लोगों ने सम्भागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा और जिला कलेक्टर आलोक रंजन को अपनी समस्यायें बताई। कुछ समस्याओं का मौके पर समाधान कर शेष मामलों में जल्द से जल्द राहत देने के निर्देश दिये। इस जनसुनवाई में 41 परिवादी शामिल हुए । इस जनसुनवाई में जिला परिषद सीईओ सुशील कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (षहर) रघुनाथ खटीक, यूआईटी सचिव कमलराम मीना, एडीएम (प्रशासन) बीना महावर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में गोपालगढ की रहने वाली एक विधवा महिला श्रम विभाग द्वारा उसके पुत्र की करंट से मौत के बाद श्रमकार्ड पर तीन लाख की बकाया सहायता राषि को दिलाए जाने की मांग करते हुए कहा कि श्रम विभाग का एक कर्मचारी तीन साल से उसे परेषान कर रहा है और उससे रिष्वत की मांग कर रहा है। रिष्वत नही दिए जाने से उसके काम को नही किया जा रहा है।

यह सुनकर संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा एवं जिला कलक्टर आलोक रंजन चकित रह गए और उन्होनें श्रम विभाग के संभागीय अधिकारी ओपीसारण को बुलाया और कर्मचारी का नम्बर लेकर इस पीडित महिला से बात कराई जिसपर रिष्वत वाली बात आने के बाद अधिकारी नाराज हो गए। और उन्होनें कर्मचारी को एपीओ कर जयपुर भेजने को कहा लेकिन ये बच्चू नामक कर्मचारी संविदा कर्मी बताया गया ।

एकलव्य कॉलेज रीको ऐरिया करौली

आवश्यकता

एकलव्य कॉलेज में निम्न पद पर चयन हेतू U.G.C नियमानुसार योग्य अभ्यार्थियों से दिनांक 25.05.2022 तक आवेदन आमंत्रित किये जाते है।

प्राचार्य :- 1 पद

वेतन :- नियमानुसार

निदेशक

M.No. 9414033830

Mail ID: yogesh.220276@yahoo.com

चरागाह भूमि पर अतिक्रमण हटाने के लिए हुआ सीमा ज्ञान

बामनवास। बामनवास उपखंड मुख्यालय स्थित नगर पालिका क्षेत्र पट्टीकला एवं पट्टीखुर्द स्थित चरागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए एसडीएम के आदेशों पर राजस्व कर्मियों द्वारा पट्टी कला व पट्टी खुर्द स्थित चरागाह भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करने के लिए कार्य शुरू कर दिया गया है.. पट्टी कलावा पट्टी खुर्द कचरा का क्षेत्र का सबसे बड़ा कचरा का होने के साथ यहां पर बड़ी संख्या में वन्य जीव एवं धार्मिक मान्यता का अस्तित्व रखने वाले गोवंश की भी शरण स्थली है.. इस चरागाह में नीलगाय एवं सियार लोमड़ी लेपर्ड हायना शीतल जैसे संरक्षित श्रेणी में आने वाले वन्यजीवों की भी चहल कदमी रहती है.. साथ ही हिंदू धर्म में धार्मिक आस्था रखने वाला गोवंश हजारों की संख्या में इस चरागाह में खुद को सुरक्षित रखता है..चरागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए गत दिनों उप जिला मजिस्ट्रेट रतनलाल योगी द्वारा गठित एक टीम द्वारा मौके का अवलोकन किया गया था।

पट्टी कलावा पट्टी खुर्द की सामूहिक करीब 1800 बीघा चरागाह भूमि को स्थानीय लोगों द्वारा की गई शिकायत के आधार पर अतिक्रमण की चपेट में मानते हुए चिन्हित किया गया था। वहीं गत दिनों से लगातार हो रहे अतिक्रमण के बाद गोवंश के सामने आ रही चारे पानी की समस्या को देखते हुए स्थानीय लोगों द्वारा चरागाह को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग जोर-शोर से रखी गई थी इसके पश्चात एसडीएम रतन लाल योगी द्वारा पट्टी कला एवं पट्टी खुर्द स्थित चरागाह को अतिक्रमण मुक्त करने की पहल की गई है.. तहसील प्रशासन की ओर से गुरुवार को दिन भर चरागाह भूमि का सीमा ज्ञान किया गया। उपखंड अधिकारी रतनलाल योगी के निर्देशों पर तहसीलदार द्वारा इस संबंध में 9 सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। जिसको चारागाह भूमि का सीमाज्ञान कर अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिए गए हैं।

बामनवास तहसीलदार सुधारानी मीणा के अनुसार टीम में भू अभिलेख निरीक्षक संतोष शर्मा, लक्ष्मीनारायण मीणा, टीकाराम मीणा, वसीम खान, पटवारी राधेश्याम मीणा, अरविंद बैरवा, अनिल शर्मा, शिवप्रसाद गुप्ता एवं भरत सिंह गुर्जर को शामिल किया गया है।

'प्रबोधकों की पदोन्नति शीघ्र हो'

करौली (निंसं.)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा लगभग एक वर्ष पूर्व प्रदेश के शिक्षा विभाग में कार्यरत प्रबोधको में से पांच हजार प्रबोधको को पदोन्नति देकर वरिष्ठ प्रबोधक बनाने की घोषणा की गई थी। परंतु खेद का विषय है कि इन पांच हजार प्रबोधकों को आज तक पदोन्नति से वंचित रखा गया है।

इस संबंध में राजस्थान समग्र शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 उदय सिंह डिगार ने राज्य के मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री समेत उच्चाधिकारियों को ज्ञापन भेजकर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संपूर्ण वस्तु स्थिति से अवगत करवाया हैं।समग्र शिक्षक संघ करौली के जिलाध्यक्ष रूपसिंह गोरेहार,जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयप्रकाश ओड़च,जिला मंत्री मदन मोहन तिवारी, जिला संरक्षक प्रहलाद मीणा,सभा अध्यक्ष हुकम चंद मीणा, हरिओम मीना, भरतलाल जोडली,इमराज डडेला, शंभू सिंह राजपूत,। जिला प्रवक्ता चेतराम मीणा व रामकुमार प्रजापति ने बताया कि प्रबोधक भर्ती अधिनियम 2008 अंतर्गत भाग संख्या 5 के नियम 27 से 30 तक प्रबोधकों से वरिष्ठ प्रबोधक पद पर पदोन्नति का स्पष्ट नियम है।

घटिया सामग्री से हो रहा सड़क निर्माण, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

गांव फैलीपुरा से कोटरी होते हुए मोठियापुरा तक हो रहे सड़क निर्माण में घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग करने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया।

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। समीप के गांव फैलीपुरा से कोटरी होते हुए मोठियापुरा तक हो रहे सडक निर्माण में घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग करने का आरोप लगाते हुए दर्जनों गांवों के सैंकडों लोगों ने प्रदर्शन कर संवेदक के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की है । गौरतलब है कि करौली विधायक लाखन सिंह ने फ़ैलीपुरा से मोठियापुरा शुरू हुए सड़क निर्माण कार्य उद्धघाटन किया था। ग्रामीण कालू राम व नेमी ने बताया की सडक निर्माण कार्य में संवेदक द्वारा घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है । जिसकों लेकर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है । ग्राामीणों का कहना है कि इस मामले को लेकर पूर्व में लोगों ने करौली विधायक लाखन सिंह से शिकयत कर कार्रवाई करवाने की मांग की थी । बताया जा रहा है कि इस दौरान विधयक ने इस मामले में सडक का निर्मण कार्य रूकवाने व जांच करवाने का आश्वाशन दिया था। आरोप है कि इसके बाबजूद भी ना तो निर्मण कार्य रोका गया और ना ही मामले की कोई जांच ही हुई है । जिसकों लेकर गुरूवार को आस-पास के दर्जनों गावों के सैंकडों लोगों ने प्रइर्शन कर आगामी दो दिवस में कार्रवाई नही होने पर सड़क के निर्माण कार्य को पूर्ण रूप से बंद करवा देने की चेतावनी दी है ।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, भरतपुर (राज.)

क्रमांक: संस्था/यूटीबी/2022-23/2573 दिनांक: 16.05.2022

विज्ञप्ति

यूटीबी पर कार्मिक लिये जाने हेतु इस कार्यालय द्वारा विज्ञप्ति क्रमांक 2474 दिनॉक 10.05.2022 एवं संशोधित विज्ञप्ति 2508 दिनॉक 12.05.2022 जारी कर आवेदन आमंत्रित किये गये है जिसमें आवेदन पत्र भरने की अंतिम दिनॉक 17.05.2022 के स्थान पर 20.05.2022 तक की जाती है तथा काउसलिंग फॉर डाक्यूमेन्ट वैरिफिकेशन का कार्यक्रम निम्नानुसार है।

चिकित्सा अधिकारी एवं फार्मासिस्ट	-	दिनांक 25.05.2022 (प्रात: 10.00 बजे से)
जीएनएम	-	दिनांक 26.05.2022 (प्रात: 10.00 बजे से)
लैब टैक्नी. सहा. रे. ग्राफर, ईसीजी टैक्नीशियन एवं लैब सहा.	-	दिनांक 27.05.2022 (प्रात: 10.00 बजे से)

(डा.सुनील शर्मा)

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भरतपुर

प्रतियोगिता का समापन

टोडाभीम (नि.सं.)। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत मातासूला में चल रही मातासूला प्रीमियम लीग -3 क्रिकेट प्रतियोगिता फाइनल मैच खंडीप व सांथा के बीच खेला गया। जिसमें खंडीप की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में 174 रन बनाए जिसके जवाब में सांथा की टीम मात्र 121 बनाकर ढेर हो गई। खंडीप ने फाइनल मैच को जीतकर क्रिकेट प्रतियोगिता पर अपना कब्जा जमा लिया। मातासूला प्रीमियम लीग-3 क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजकों ने बताया कि मातासूला में 2 मई से चल रही प्रतियोगिता में अलवर, भरतपुर, करौली, दौसा जिलों की 32 टीमों ने भाग लिया। फाइनल मैच का मैन ऑफ द मैच अशोक कुमार मीना खंडीप को दिया गया। मातासूला प्रीमियम लीग-3 क्रिकेट क्लब प्रतियोगिता के समापन पर पंचायत समिति सदस्य गोपाल मीना, सरपंच रिंकू कुमार मीणा ने विजेता टीम को 51 हजार रूपए व ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम को 3100 हजार रूपए व ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रतियोगिता के मुख्य अथिति पंचायत समिति सदस्य गोपाल मीना, सरपंच रिंकू कुमार मीणा ने उपस्थित खिलाडियों को संबोधित किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव ने ईंट भट्टा मजदूरों की समस्याएं जानी

करौली (निंसं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार एक्शन प्लान के अनुसार 1 से 31 मई तक अभियान चलाया जा रहा है। उक्त अभियान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,करौली द्वारा जिले में संचालित विभिन्न स्टोन खदानों,स्टोन क्रेशर,मनरेगा साईट आदि का निरीक्षण किया जाकर वहां पर पैरा लीगल वोलेंटियरस के माध्यम से विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें लोगों को बालश्रम, बाल विवाह,बाल तस्करी, शिक्षा का अधिकार आदि की जानकारी प्रदान की जा रही है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश बीना गुप्ता द्वारा गुरूवार को श्रीमहावीरजी स्थित राज ईंट उद्योग /भुट्टा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उद्योग पर उपस्थित मजदूरों /श्रमिकों से बातचीत की गई तथा उनकी समस्याओं व उनको मिलने वाले वेतन/भुगतान के बारे में पूछताछ कि गई। तथा निरीक्षण के दौरान उद्योग में कोई श्रमिक ज़बरन व बंधुआ मजदूरी तो नहीं करता,किसी मजदूर का शोषण तो नहीं हो रहा व कोई बाल श्रम तो नहीं कराया जा रहा है। का बारीकी से निरीक्षण किया। इस अवसर पर सचिव बीना गुप्ता ने बताया कि बालश्रम/ बाल मजदूरी, जबरन / बंधुआ मजदूरी व बाल विवाह कराया जाना कानूनन अपराध है। निरीक्षण के दौरान उपस्थित मजदूरों /श्रमिकों को उनके लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई।

करौली जिला विविध सेवा प्राधिकरण कि सचिव वीणा गुप्ता ने ईंट भट्टों का निरीक्षण किया।

शिक्षा के मन्दिर के बाहर लगा रहता है कचरे का ढेर

करौली (निंसं.)। करौली जिले की व्यवस्था इन दिनों गंभीर समस्याओ से गुजर रही है गर्मी के इन दिनों में तापमान हाई चल रहा है तेज लू चल रही है। वही जिले के राजकीय महाविद्यालय के सामने महीनों से पड़ा कचरे का ढेर नगर परिषद ने हटाया नहीं है। जिसके कारण कॉलेज आने जाने वाले विद्यार्थियों को खासी परेशानिया उठानी पडती है।

सामाजिक कार्यकर्ता जितेन्द्र मीणा गुरदह ने बताया कि राजकीय पीजी कॉलेज के बाहर मुख्य द्वार पर कचरे का ढेर लगा हुआ है। 7 से 8 दिनों में कचरा साफ़ तो करते है लेकिन कॉलेज में घुसने से पहले उसकी बदबू का सामना छात्रों को करना पड़ता है। जिले में ऐसा कोई विभाग नहीं बना जो अपने क्षेत्र में आने वाली समस्याओं को देख सके। कचरे पर पशु आपस में झगड़ते रहते है। जिससे पास से गुजरने वाले व्यक्तियों को खतरा बना रहता है। उन्होने बताया कि करौली जिला इन दिनों कई सारी परेशानियों के दौर से गुजर रहा है। लेकिन परेशानियों को हल करने वाला कोई नहीं है।

सार-समाचार

आग पर दमकल ने पाया काबू

बयाना। बयाना के गांव ब्रम्हबाद में बीती रात्रि को अचानक भभकी आग से हलचल मच गई। आग की सूचना पर बयाना से दमकल गाडी लेकर दमकलकर्मीयों की टीम व पुलिस भी पहुंची। जिन्होंने कई घंटे की मषक्कत के बाद ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया। ग्रामीणों ने बताया कि यह आग वहां सडक किनारे एक खाली भूखंड में रखे ईंधन व झाडियों में लग जाने से ज्यादा भभक गई थी। जिसकी चपेट में छप्परपोष व कई हरे पेड भी आकर नश्ट हो गए। आग पर काबू पाने में देरी हो गई होती तो बडा हादसा हो सकता था। यह आग विधुत लाइन से निकली चिंगारी से लगी बताई।

पाराशर डीआरओ नियुक्त

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। अखिल भारतीय कांग्रेस चुनाव प्राधिकरण द्वारा होने वाले राष्ट्रीय संगठन चुनाव में के लिए युवा नेता पवन पाराशर को झारखंड राज्य में डीआरओ लगाया गया है। जो की संगठन चुनाव और पार्टी को मजबूत करने का कार्य करेंगे। पाराशर ने बताया कि वो जल्द ही झारखंड जाकर कांग्रेस पार्टी संगठन की बैठक कर पार्टी को मजबूत करने का कार्य करेंगे। यह नियुक्ति प्राधिकरण के चेयरमैन और राष्ट्रीय महासचिव मधुसूदन मिस्त्री द्वारा ये प्रदान की गई है।

तीन आरोपी गिरफ्तार

करौली (निंसं.) पुलिस अधीक्षक करौली शैलेन्द्र सिंह इन्दौलिया के निर्देशन में थानाधिकारी कोतवाली करौली दिनेश चन्द मीना द्वारा ऑपरेशन शिकंजा के तहत कार्यवाही करते हुए गत 2 अप्रेल नव सम्वतसर पर करौली कस्बे में हुए पथराव एवं आगजनी के प्रकरण में वांछित आरोपी सोनू प्रजापत पुत्र गोपाल प्रजापत निवासी पांडे का कूआ करौली,सद्दाम पुत्र सिराजुद्दीन कुरैसी मुसलमान निवासी बजीरपुर गेट करौली,नादिर पुत्र नूर मोहम्मद कमनीगर मुसलमान निवासी हटवाडा बाजार करौली को गिरफ्तार किया गया।

पेयजल समस्या के समाधान की मांग

मण्डरायल (निंसं.)। कस्बे के कांग्रेसियों ने पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा एवं जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर पेयजल समस्या सहित सीएचसी पर वरिष्ठ चिकित्सक लगाने की मांग कि है।

गर्मी के मौसम को मध्येनजर रखते हुए मंडरायल कस्बे के प्रमुख स्थानों पर ग्राम पंचायत से पेयजल समस्या निराकरण हेतु पेयजल सप्लाई मंडरायल कस्बे वासियों सहित राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मण्डरायल पर वरिष्ठ चिकित्सकों के लंबे समय से रिक्त पड़े पदों को भरने सहित चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की मांग को लेकर कस्बे वासियों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा एवं करौली जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर समस्या समाधान की मांग की गई है।

मण्डरायल निवासी कांग्रेस सेवा दल सपोटरा विधानसभा अध्यक्ष राज भारद्वाज ने जानकारी देते हुए बताया कि भीषण गर्मी के मौसम को मद्देनजर रखते कस्बे के प्रमुख स्थानो पर पीने के पानी की व्यवस्था को लेकर क्षेत्रों में पेयजल संकट के लिए समाधान की मांग की है।

पंचायत समिति विकास अधिकारी को उपदेश कराने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं होने के चलते लंबे अरसे से डांग क्षेत्र में चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के चलते कस्बे वासियों द्वारा मण्डरायल के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर वरिष्ठ चिकित्सकों के रिक्त पड़े पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने की मांग की गई जिससे क्षेत्र की जनता को स्थानीय स्तर पर चिकित्सा व्यवस्था सुदृढ़ होने सहित विशेषज्ञों की सेवाओं का लाभ मिल सके।

स्कूल को इनवर्टर की 4 बैटरी भेंट

टोडाभीम (नि.सं.)। ग्राम पंचायत शहराकर में संचालित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सुविधा के लिए प्रधान कल्पना मीणा द्वारा विद्यालय प्रशासन को इनवर्टर की 4 बैटरी भेंट की गई है। प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यालय में इनवर्टर की बैटरी भेंट करने से गर्मी के मौसम में विद्यार्थियों को विद्युत कटौती के दौरान विद्युत कटौती के चलते गर्मी की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

इनवर्टर की बैटरियों से विद्युत कटौती के दौरान विद्यालय के कक्षा कक्षों में लगे सभी पंखे चल सकेंगे, जिससे विद्यार्थियों को गर्मी के मौसम में राहत मिलेगी। गौरतलब है कि पंचायत समिति प्रधान कल्पना मीणा के द्वारा विद्यालय के वार्षिक उत्सव के दौरान विद्यालय के लिए 4 बैटरी भेंट करने की घोषणा की गई थी। जिसे उन्होंने सोमवार को विद्यालय प्रशासन को 4 बैटरी भेंट कर के पूरा किया है।

ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

करौली (निंसं.)। टोडाभीम तहसील के बालघाट गांव निवासी लोगों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेश कर सरपंच के विरुद्ध शिकायत की है।

बालघाट गांव निवासी हरि सिंह मीणा, नरेश, धर्म सिंह मीणा, हनुमान सिंह, राजू लाल बैरवा, रामदयाल मीणा सुग्रीव मीणा, भीकाराम मीणा, सुनील कुमार सिंहल, नीरज कुमार, प्रकाश आदि लोगों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेश कर बताया कि गांव बालघाट में सार्वजनिक निर्माण विभाग के द्वारा स्वास्थ्य केंद्र तक आम जनता की सुविधा के लिए डामर रोड बनाया जा रहा है। उक्त रोड भंडारी अंदरूनी,भंडारी वैरूनी,राजौर,मोरडा, बॉस मोरडा की जनता को सीधा जोड़ता है। जिससे मरीजों को लेकर एंबुलेंस से अस्पताल तक पहुंचने में आसानी होती है। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा बनाई गई सड़क को वर्तमान सरपंच हंसराज बैरवा एवं अन्य लोगों के द्वारा बनने नहीं दिया जा रहा है सरपंच द्वारा दो दुकानों के भूखंडों की मांग की जा रही है। अभी मौके पर काम चल रहा है जिसके कारण यह लोग सड़क निर्माण में व्यवधान डाल रहे हैं। जबकि उक्त खसरा नंबर 345/2,346/1 न्यायालय द्वारा डिग्री पारित कर यह आदेश दिया कि स्वास्थ्य केंद्र बालघाट की बाउंड्री के पूर्वी भाग जो कि स्वास्थ्य केंद्र की बाउंड्री से मिला हुआ है। में प्लॉट नहीं काटे यह लोग न्यायालय के आदेश की अवहेलना करने पर आमादा है। इसलिए न्याय हित में उक्त रोड को बनाए जाना आवश्यक है रास्ते की कुल लंबाई 300 मीटर में से 230 मीटर संवत 2013 के राजस्व रिकॉर्ड में है महज 70 मीटर रोड जो इमरजेंसी में एंबुलेंस के लिए सीधी कनेक्टिविटी रोड है रोड वर्ष 2011 में तत्कालीन प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी दिनेश गोयल के प्रभावी दल के स्वीकृत होकर निर्माण हो चुका है।

पेयजल समस्या निराकरण की मांग

करौली (निंसं.) करौली नगरपरिषद क्षेत्र मे भीषण गर्मी के दौरान व्याप्त पेयजल समस्या को लेकर कई पार्षदो ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेश कर समस्या निराकरण कि मांग की।

करौली नगर परिषद के नेता प्रतिपक्ष कुलदीप सिंह धाबाई के नेतृत्व मे पार्षदो ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेश कर बताया कि परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 27,29,23,8 में जलापूर्ति पूरी तरह बाधित है विगत कई सालों से कई जगह ऐसी हैं जहां पानी की बूंद भी नहीं आती संबंधित विभाग जन स्वास्थ्य अभियंत्रिकी को कई बार अवगत कराने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो पाया। जिस पर जिला कलेक्टर ने आश्वासन दिया है शीघ्र ही समस्या का समाधान होगा। वार्ड 8 में न्यू कृषि उपज मंडी के पीछे जवाहर नगर में और वसुंधरा कॉलोनी में नई पाइप लाइन डलवाने के लिए भी ज्ञापन दिया गया।

कोटा मण्डल की 17 रेलगाड़ियों में अनारक्षित श्रेणी की सुविधा बहाल

गंगापुर सिटी। रेल प्रशासन द्वारा कोविड-19 के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यात्री गाडियों के सामान्य श्रेणी के डिब्बों को आरक्षित श्रेणी बनाकर चलाया जा रहा था। कोविड-19 की परिस्थितियां सामान्य होने पर रेलवे द्वारा कोविड महामारी के पूर्व नियमित ट्रेनों में जो सामान्य श्रेणी के कोच अनारक्षित रूप से चलाए जा रहे थे उन्हें फिर से कोविड महामारी के पूर्व की स्थिति में बहाल किया जा रहा है। इसके अंतर्गत पश्चिम मध्य रेल से शुरु/टर्मिनेट होने वाली अब तक कुल 72 ट्रेनों में अनारक्षित सामान्य श्रेणी की सुविधा बहाल हुई है। इसके अंतर्गत जबलपुर मण्डल की 31 ट्रेनों में, भोपाल मण्डल की 24 ट्रेनों में अनारक्षित सामान्य श्रेणी की सुविधा बहाल हो गई है। कोटा मण्डल की 17 ट्रेनों कोटा-पटना एक्सप्रेस, पटना-कोटा एक्सप्रेस, कोटा-श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा सप्ताहिक एक्सप्रेस, कोटा-हिसार एक्सप्रेस, हिसार-कोटा एक्सप्रेस, कोटा-हिसार एक्सप्रेस (वाया चूरू), हिसार-कोटा एक्सप्रेस (वाया चूरू), कोटा-मंदसौर एक्सप्रेस, कोटा-उधमपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस, उधमपुर-कोटा साप्ताहिक एक्सप्रेस, कोटा-श्री गंगानगर सुपरफास्ट एक्सप्रेस, श्री गंगानगर-कोटा सुपरफास्ट एक्सप्रेस, कोटा-इंदौर इंटरसिटी एक्सप्रेस, इंदौर-कोटा इंटरसिटी एक्सप्रेस, झालावाड सिटी-श्री गंगानगर एक्सप्रेस, श्री गंगानगर-झालावाड सिटी एक्सप्रेस, सोगरिया-नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेनों में अनारक्षित सामान्य श्रेणी की सुविधा बहाल हुई है।

'नहर परियोजना को राष्ट्रीय दर्जा दिया जाये'

ढिंढोरा (नि.सं.)। ग्राम ढिंढोरा में किसान संघर्ष समिति की बैठक आयोजित की गई। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिलाने के लिए किसानों को जागरूक किया गया।

प्रदेश संघर्ष समिति के महामंत्री भरत सिंह ठाकुर ने अपने उद्बोधन में परियोजना के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा की किसान संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष रामलाल मीणा के नेतृत्व में राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिलाने के लिए प्रदेश किसान संघर्ष समिति द्वारा जन जागरण अभियान चलाया जा रहा है। महा मंत्री भरत सिंह डागुर ने बताया इंदौर क्षेत्र में महापंचायत कर लोगों को आरसीपी के बारे में जागरूक किया जाएगा।

उक्त मौके पर प्रोफ़ेसर महेश जोशी, रमेश, धारा सिंह जाट, गंगा प्रसाद शर्मा जगमोहन सेन प्रकाश डामोर जसवंत सिंह डागुर सिया राम सेन बृजमोहन जाट अर्जुन सिंह महेंद्र सतीश चंद्र मंगल शर्मा, दिनेश नागौर आदि मौजूद रहे।

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रसार-प्रचार किया

विधानसभा क्षेत्र के यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जनकल्याणकारी योजनाओं की ग्रामीणों को जानकारी दी।

टोडाभीम (नि.सं.)। विधानसभा क्षेत्र के यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा प्रदेश की कांग्रेस सरकार के द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का गांव-गांव एवं ढाणी-ढाणी जाकर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीणों को विस्तृत रुप से जानकारी दी गई। विधानसभा क्षेत्र के गांव कैमरी में गुरुवार को विधानसभा क्षेत्र के यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा टोडाभीम यूथ कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष महेश बड़ापुरा एवं नादौती यूथ कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष लवकुश ढहरिया और उपाध्यक्ष ऋषिकेश अलूदा और शोशल मीडिया प्रभारी रामवतार भीलापाडा के द्वारा चिरंजीवी योजना, बालिका कन्यादान योजना सहित राज्य सरकार के द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीणों जानकारी देकर इनका अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा चिरंजीवी योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन करवाएं इससे आमजन को लाभ मिलेगा।

एक लाखों रुपए की स्मैक के साथ आरोपी गिरफ्तार

करौली (निंसं.) करौली कोतवाली थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए ऑपरेशन फ्लैश आउट के तहत एक आरोपी को एक लाख रूपए कीमत की 10 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

जिला पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह इंदौलिया के निर्देशन में चलाए जा रहे हैं ऑपरेशन फ्लैस आउट के तहत पुलिस ने 67 भी कार्यवाही करते हुए एक लाख रुपए कीमत की 10 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त कर ली है। कोतवाली थाना अधिकारी दिनेश चंद ने बताया कि आरोपी मुकेश चंद मीणा पुत्र घमसू मीणा 42 निवासी गांव चेतियापुरा डाबरा थाना सपोटरा को गश्त के दौरान रीको एरिया क्षेत्र में पैदल जाते समय गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि कार्यवाही के दौरान थाने के सहायक उपनिरीक्षक राजवीर सिंह, हैड कांस्टेबल नटवर सिंह,कांस्टेबल रघुवीर सिंह,सुग्रीव,सत्येंद्र,पुष्पेंद्र कुमार साइबर सैल एवं सरकारी वाहन चालक जसवंत सिंह साथ थे।

कार की टक्कर से महिला की मौत

भरतपुर (निसं)। शहर के बी-नारायण गेट पर गुरुवार को ई-रिक्शा से उतर रही एक महिला पर पीछे से तेज गति से आ रहे चालक ने कार चढा दी। इसके बाद जब ई-रिक्शा के आगे अन्य वाहन को खड़ा देखा तो दुबारा से गाडी पीछे कर घायल महिला को कुचल दिया। इससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना दर्दनाक था कि महिला के खून से सड़क लाल हो गई। वहां मौजूद लोग आक्रोशित हो गए और गाड़ी का पीछा किया, लेकिन चालक कार को इतनी तेज गति से लेकर गया था कि रास्ते के कुछ स्थानों पर अन्य वाहनों से भी टक्कर होने से बच गई। पुलिस ने महिला के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। लोगों ने पुलिस के सामने भी घटना को लेकर रोष व्यक्त किया। मृतका वार्ड 22 के नगर निगम पार्षद चतर सिंह सैनी के बड़े भाई की पत्नी है।

जानकारी के अनुसार बबली पत्नी धर्मसिंह सैनी (45) निवासी छौंकर वाली बाखर बी-नारायण गेट भरतपुर कंपनी बाग स्थित एक मिठाई विक्रेता के गोदाम पर मजदूरी का कार्य करती है। पति भी मजदूरी करते हैं। क्योंकि परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण पत्नी भी मजदूरी कर रही थी। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे जब महिला गोदाम से मजदूरी कर आरबीएम अस्पताल के सामने ई-रिक्शा से घर के लिए रवाना हुई। जहां बी-नारायण गेट पर ई-रिक्शा से उतरते समय पीछे से आ रही कार महिला पर चढ़ गई। आगे दूसरा वाहन खड़ा होने के कारण भागने के लिए चालक ने गाड़ी को पीछे कर दुबारा कार महिला पर चढा दी। पुलिस ने महिला के शव का आरबीएम अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। करीब दो घंटे तक नाकाबंदी व तलाश के बाद भी कार व चालक का सुराग नहीं लग सका है। मथुरा गेट थाना पुलिस ने कार व चालक की तलाश करने में जुटी हुई है।

■ हादसा इतना दर्दनाक था कि सड़क पर खून फैल गया

चांदनी रात में की वन्यजीवों की गणना

मासलपुर (निंसं.)। मासलपुर वन विभाग की ओर से बुद्ध पूर्णिमा की चांदनी रात में क्षेत्र के करीब आधा दर्जन वाटर होल के स्थानों पर वन्य जीव गणना की गई जिसमें कुल 579 जीवों की संख्या गणना में देखने को मिली।

क्षेत्रीय वन अधिकारी रमेश चंद्र मीणा ने बताया कि 16 मई प्रात: 8बजे से 17 मई प्रात: 9 बजे तक क्षेत्र के सागर तालाब,रूपा बांध, ध्रुवघटा लेदौर का बांध, रूंधपुरा तालाब एवं रछेड तालाब पर वन जीव गणना की गई जहां दो कार्मिक नियुक्त किए गए। गणना में 203 ज्ञात वन जीव व 376 अज्ञात वन्य जीव देखने को मिले। जिनमें रोजडे,मोर की संख्या अधिक रही उन्होंने बताया कि वन्य जीव गणना के लिए प्रथम पारी में कमर सिंह वनरक्षक,दर्शन सिंह वन रक्षक,प्रेम सिंह सहायक वनपाल,विकास मीना सहायक वनपाल,महेश चंद्र वनरक्षक द्वारा 16 मई को प्रात: 8 बजे से रात 8 बजे तक एवं द्वितीय पारी में दर्शन सिंह वनरक्षक,बनवारी वनपाल,नवाब का वृक्ष पालक,हेमेंद्र सिंह सहायक वनपाल द्वारा गणना की गई।

बेटी का उपचार करवाने आये पिता का पर्स चोरी

टोडाभीम (नि.सं.)। कस्बे के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रोगियों के साथ आये परिजनों को मोटरसाइकिलें चोरी होए के साथ-साथ जेब तराशी की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। हाल ही में गांव मंडेरु निवासी रामकेश मीना चिकित्सालय में अपनी बीमार बेटी एवं एक रिश्तेदार का उपचार करवाने आया था उन्हें वह चिकित्सालय में भर्ती करवाकर चिकित्सालयर परिसर में संचालित मेडिकल की दुकान से दवाई खरीदने का गया दवाई खरीदने के दौरान किसी अज्ञात चोर के द्वारा मेरा पर्स चुरा लिया गया। पीड़ित के द्वारा ऊक्त घटना की सूचना स्थानीय पुलिस थाने में दे दी गई। पीड़ित रामकेश मीणा मंडेरू ने बताया कि मेडिकल स्टोर पर पहुंचे तो पर्स नहीं मिला। पर्स में पैसे व जरूरी दस्तावेज जन आधार, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड, पेन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस आदि दस्तावेज थे। थानाधिकारी रामखिलाड़ी मीना ने बताया कि ऊक्त मामले में पीड़ित ने मामला दर्ज कराया है।

'समस्या निबटारे के लिए पीड़ितों को चक्कर नहीं लगाना पड़े'

करौली (निंसं.)। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुसार ग्रामीण व आमजन के कार्य ग्राम पंचायत एवं ब्लॉक स्तर पर ही समय पर हो जिससे उन्हे बिना किसी कारण के जिला स्तर पर चक्कर नही लगाने पडें एवं सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें।

जिला कलेक्टर गुरूवार को सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के वीसी रूम मे जनसुनवाई करते हुए ब्लॉक एवं जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए बोल रहे थे। उन्होने बताया कि आमजन के कार्य ग्राम पंचायत व ब्लॉक स्तर पर आयोजित जनसुनवाई के दौरान ही हो इसके लिये अधिकारी सक्रिय रहते हुए कार्य करें एवं इस दौरान पेयजल,विद्युत,चिकित्सा सहित अन्य संबंधित अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। जनसुनवाई के दौरान पंचायतीराज से संबंधित,चिकित्सा से संबंधित,ग्राम पंचायत में पट्टे दिलवाने, आशा सहयोगिनी का बकाया मानदेय दिलवाने,पेयजल की समस्या का निस्तारण करवाने,अतिक्रमण हटवाने, सिलिकोसिस का बकाया भुगतान करवाने,हैंडपंप लगवाने,बेरोजगारी भत्ता दिलवाने सहित 17 परिवाद परिवादियों द्वारा दिये गये इस पर जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र ही समस्याओ को दर्ज कर निस्तारण करने के निर्देश दिये।

जिला कलेक्टर ने कहा कि इसके अलावा राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों का भी समय सीमा मे नियमानुसार निस्तारण करना सुनिश्चित करें जिससे परिवादी को राहत मिल सके।उन्होने कार्य मे लापरवाही बरतने एवं बैठक मे अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश भी दिये है।बैठक मे अतिरिक्त जिला कलक्टर परसराम मीना, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी महावीर प्रसाद नायक,सीएमएचओं डॉ. दिनेश चंद मीना, डीएसओ रामसिंह मीना, जीएम डीआईसी के के मीना,अधिक्षण अभियंता आरसी शर्मा,राजवीर सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

महिलाओं के लिए प्रशिक्षण शिविर के लिए रजिस्ट्रेशन आज

गंगापुर सिटी। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महिला महासम्मेलन जिला एवं तहसील कार्यकारिणी की मीटिंग का आयोजन मित्तल आदर्श माध्यमिक विद्यालय में किया गया। जिला अध्यक्ष कुशला खुंटेटा और तहसील अध्यक्ष रेखा अग्रवाल ने बताया कि बालिका व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण शिविर के रजिस्ट्रेशन 20 मई आज से सुबह 9 बजे से शुरू किए जाएगें।

जिला महामंत्री डॉ सरिता बंसल व तहसील महामंत्री अनीता दुसाद ने बताया प्रशिक्षण शिविर में सिलाई की टीचर सुनीता, मेहंदी की टीचर गीता मेहरवाल, ब्यूटीशियन अर्चना गोयल, ढोलक वैजयंती देवी, सेल्फ डिफेंस एंथोनी सर, आर्ट एंड क्राफ्ट शोभा देवी पार्लर वाली और केक बनाने का प्रशिक्षण सुमन गर्ग के द्वारा दिया जाएगा। शिविर का शुभारंभ 21 तारीख से शाम 4 बजे किया जाएगा। शिविर में रजिस्ट्रेशन के लिए संयोजक बबीता जिंदल को बनाया है।

दीपेन्द्र खटाना ने ताइक्वांडो में गोल्ड मैडल जीतकर किया जिले का नाम रोशन

ताइक्वांडो प्रतियोगिता में दीपेन्द्र खटाना ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। मध्यप्रदेश के उज्जैन में आयोजित हुई राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में क्षेत्र के कैमरी गांव स्थित ढाणी बेढे का पुरा निवासी दीपेन्द्र खटाना ने बेहतरीन प्रदर्शन कर गोल्ड मैडल अपने नाम किया है।

दीपेन्द्र के बड़े भाई नरेन्द्र खटाना ने बताया कि मध्यप्रदेश के उज्जैन में 13 मई से 16 मई तक आयोजित हुई राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में दीपेन्द्र ने सब जूनियर वर्ग में 45 किलो भार कैटेगरी में हिस्सा लिया था। जिसमें दीपेन्द्र ने हरियाणा व उत्तरप्रदेश के प्रतिभागियों को पराजित कर गोल्ड मैडल हांसिल किया। दीपेन्द्र पिछले करीब तीन वर्षों से हिण्डौन सिटी में ताइक्वांडो के गुर सीखते आ रहे है। इससे पूर्व उन्होंने कई राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया था और हर बार अच्छा प्रदर्शन किया। इस बार उन्होंने उज्जैन में गोल्ड मैडल जीतकर अपने गांव कैमरी, परिवार व जिले का नाम रोशन किया है। दीपेन्द्र के पिता शिवदयाल खटाना भारतीय सेना में कार्यरत है।

दीपेन्द्र ने इस सफलता का श्रेय अपने कोच व राष्ट्रीय रैफरी रामबृज सिंह गुर्जर के मार्गदर्शन को दिया। दीपेन्द्र के गोल्ड मैडल जीतकर गांव लौटने पर पूर्व पार्षद गोपेन्द्र सिंह पावटा, युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र खटाना प्रदीप खटाना सहित कई लोगों ने स्वागत किया।

मथुरा से सवाई माधोपुर पैसेंजर संचालन के लिए सौंपा ज्ञापन

भरतपुर, (निसं)। 19 मई को 54793/94 मथुरा से सवाई माधोपुर लोकल पैसेंजर ट्रैन नही चलने पर क्षेत्रीय संघर्ष समिति के अध्यक्ष विश्वेंद्र सिंह चाहर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने डी.आर.एम पंकज शर्मा को कोटा पहुंच कर ज्ञापन सौंपा और बताया कि कोरोना काल में लगभग सभी ट्रेनों को बंद कर दिया गया था चूँकि अब सभी लोकल ट्रेन चालू कर दी गई है जिसमें से बेहद अहम ट्रेन मथुरा से सवाई माधोपुर लोकल पैसेंजर ट्रेन का संचालन नहीं किया गया है जिससे आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और उच्चअधिकारियों के लिए कई बार ज्ञापन दिए जा चुके हैं पर संघर्ष समिति के बार-बार निवेदन करने पर भी रेल प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है इस कारण निम्न वर्ग के लोगों और व्यापारियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है मथुरा व सवाई माधोपुर के बीच करीबन सैकड़ों स्टेशन पड़ते हैं।

रणथंभौर नेशनल पार्क में खाने-पीने का सामान व प्लास्टिक की बोतल कैसे जाती हैं, गार्ड क्यों नहीं लगाते : हाईकोर्ट

प्रमुख राजस्व सचिव, सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर व एसपी सहित वन विभाग के आला अफसरों को शुक्रवार को अदालत में पेश होने के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सवाई माधोपुर के रणथंभौर नेशनल पार्क व टाइगर रिजर्व में टाइगर के संरक्षण से जुड़े मामले में राज्य सरकार से पूछा है कि वहां पर खाने-पीने का सामान व प्लास्टिक की बोतल कैसे जा रही हैं। इन्हें रोकने के लिए वहां पर गार्ड क्यों नहीं लगाए जाते।

वहीं अदालत ने पूछा कि होटल वाले सेंचुरी में सफारी कैसे करा रहे हैं और फुल डे व हाफ डे सेंचुरी की व्यवस्था क्या है। वहीं अदालत ने मामले में स्पष्टीकरण के लिए शुक्रवार को प्रमुख राजस्व सचिव, सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर व एसपी सहित वन विभाग के आला अफसरों को अदालत में हाजिर होने के लिए कहा है। जस्टिस प्रकाश गुप्ता व समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश स्वप्रेरित प्रसंज्ञान व अन्य याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने इन अफसरों से यह भी बताने के लिए कहा है कि उन्होंने पूर्व में दिए गए निर्देशों की क्या पालना की।

- **अदालत ने पूछा कि होटल वाले सेंचुरी में सफारी कैसे करा रहे हैं और फुल डे व हाफ डे सेंचुरी की व्यवस्था क्या है**

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को पूर्व में निर्देश दिया था कि वह रणथंभौर व सरिस्का सहित अन्य अभयारण्यों व टाइगरों के संरक्षण के लिए योजना तैयार करें। अदालत ने राज्य सरकार को एम्पावर्ड कमेटी की सिफारिशों की पालना कर रिपोर्ट भी पेश करने को कहा था, लेकिन अदालती आदेश का पालन नहीं किया गया।

याचिका में कहा था कि एनटीसीए के लिखने के बाद भी टाइगर फोर्स नहीं बनी है और सरिस्का अभयारण्य सहित अन्य जगहों पर टाइगर मर रहे हैं। अभयारण्य के कोर एरिया में अभी भी लोग बसे हुए हैं और अधिकतर गांव वालों के पास हथियार भी हैं। यहां पर टाइगर सहित अन्य जानवरों का शिकार किया जा रहा है। ऐसे में सरिस्का क्षेत्र में शिकारियों पर कार्रवाई की जाए और इसे रोकने के लिए प्रोटेक्शन फोर्स बनाई जाए। क्षेत्र में अवैध खनन व पशुओं की चराई को भी रोका जाए और मामले में लापरवाही बरतने पर मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक के खिलाफ कार्रवाई की जाए। गौरतलब है कि अदालत ने भी सरिस्का और रणभंभौर सहित अन्य रिजर्व को लेकर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया था।

गहलोत सरकार को अलविदा कहने का जनता ने मन बना लिया है : नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा का गुरूवार को जयपुर आगमन पर कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह स्वागत किया।

जयपुर। प्रदेश की राजधानी जयपुर में 3 दिन तक देशभर के भाजपाइयों का जमावड़ा रहेगा इसकी शुरुआत गुरुवार को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित अनेक पदाधिकारी राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक दिल्ली रोड स्थित एक होटल में पहुंचे। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा गुरुवार शाम जयपुर पहुंचे। जयपुर एयरपोर्ट पर जहां लोक गीत और संगीत से उनका स्वागत किया गया। वहीं एयरपोर्ट परिसर के बाहर वैदिक मंत्रों के साथ नड्डा की अगवानी की।

इसके साथ ही आमेर में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गहलोत सरकार पर जुबानी हमला बोला। आमेर के कुंडा पर उनके स्वागत के बाद मंच से नड्डा ने कहा कि गहलोत सरकार में राजस्थान के लोगों की उपेक्षा और उसका निरादर हुआ है। जनता ने गहलोत सरकार को अलविदा कहने और भाजपा सरकार लाने का मन बना लिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने प्रदेश में बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर भी गहलोत सरकार पर निशाना साधा और कहा जगह-जगह समाज में अशांति फैलाई जा रही है। करौली भरतपुर जैसी घटनाए इस बात को बताती है कि यहां पर प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं है जिसके चलते आम आदमी आज दहशत में है। इसलिए यहां की धरती पर कमल का फूल खिलाना है। से पहले नड्डा का पूरे मार्ग में जगह-जगह कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। कुछ जगहों पर नड्डा ने रुककर कार्यकर्ताओं का अभिवादन भी स्वीकार किया।इस दौरान आमेर विधानसभा क्षेत्र के आमेर कुंडा पहुंचने पर भी नड्डा का भव्य स्वागत किया गया। खास बात यह रही कि सतीश पूनिया ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से हाथ लगवाकर नड्डा के सिर पर लाल रंग की पाग पहनाई। आमिर के कुंडा से राष्ट्रीय अध्यक्ष नोएडा के स्वागत में ट्रैक्टरो एवं मोटरसाइकिलो भाजपा कार्यकर्ताओं ने काफिले के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को होटल परिसर तक पहुंचाया।होटल परिसर में बनाए गए कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में डालें एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी में सुंदर सिंह भंडारी और कुशाभाऊ ठाकरे के जीवन वृतांत के बारे में बताया गया है।

'मन मिले ना मिले लेकिन हम साथ-साथ हैं'

जयपुर। भाजपा की तीन दिवसीय राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक आमेर के एक होटल में होगी। इस बैठक में शामिल होने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी पहुंचे। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का स्वागत भाजपा कार्यकर्ताओं ने पलंग पावडे बिछा कर किया गया।

नड्डा ने पार्टी को एकजुट बताने का के लिए अपनी गाड़ी में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को साथ बैठाया। पूरे रास्ते यह चारों नेता एक ही गाड़ी में सवार रहे। गौरतलब है कि पिछले दिनों दिल्ली में प्रदेश के नेताओं की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन मंत्री बीएल संतोष ने ली और सभी को एकजुट और एक साथ रहने का संदेश दिया था। उसके बाद यह पहला मौका था जिसमें प्रदेश के यह नेता एक साथ एक मंच पर नजर आए। वही कार्यकर्ताओं का कहना यह भी है कि मन मिले ना मिले लेकिन हम साथ साथ हैं। जिससे प्रदेश में होने वाले 2023 के चुनाव में भाजपा की पूर्ण बहुमत से सरकार बन सके।

प्रदेश के 15 जिलों में नए करोना संक्रमित मिले गुरूवार को

हालांकि, राज्य में नए संक्रमितों की संख्या में कोई खास वृद्धि नहीं होने से 65 ही मामले सामने आए हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में गुरूवार को 15 जिलों में नए करोना संक्रमित मिले है। हालाकि संक्रमितों की संख्या में कोई खास वृद्धि नहीं हुई है। इस दौरान 65 नए मरीज सामने आए हैं। इधर राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 84 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 465 रह गए हैं।

प्रदेश में गुरूवार को 6 मामले बढ़ने के साथ ही 65 नए संक्रमित मिले है। इससे पहले बुधवार को 59 रोगी पाए गए थे। आज राजधानी जयपुर में मामूली गिरावट के बाद 27 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा अलवर में 9, धौलपुर में 5, अजमेर में 4, चित्तौड़गढ़ व उदयपुर में 3-3, बारां, बीकानेर, गंगानगर व सीकर में 2-2 तथा चूरू, झालावाड़, कोटा और राजसमंद में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच 18 जिलों बांसवाड़ा, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनूं, जोधपुर, करौली, नागौर, पाली, प्रतापगढ़, सवाई माधोपुर, सिरोही और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

- **राजधानी जयपुर में मामूली गिरावट के बाद 27 नए मरीज मिले हैं।**
- **राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 84 संक्रमितों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 465 रह गए हैं।**

प्रदेश में गुरूवार को भी रिकवरी बेहतर होने से एक्टिव केसों में कमी आई है। इस दौरान राज्य में 84 मरीज ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 465 रह गए हैं। वहीं जयपुर में भी इनकी संख्या 275 रह गई है। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालाकि अब तक इस बीमारी से राज्य में 9554 लोगों मृत्यु हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में गुरूवार को 15 स्थानों पर नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 5-5 नए मरीज सांगानेर व सोड़ाला में पाए गए हैं। इसके अलावा वैशाली नगर में 4, मानसरोवर में 2 तथा आदर्श नगर, बनीपार्क, दुर्गापुरा, जवाहर नगर, झोटवाड़ा, मालवीय नगर, प्रताप नगर, पुरानी बस्ती, टोंक फाटक और विद्याधर नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच जिले में 57 मरीज ठीक हुए हैं।

प्रदेशों में होने वाले आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव पर हुआ मंथन

जयपुर। राष्ट्रीय पदाधिकारियों की तीन दिवसीय बैठकों का दौर गुरुवार को शुरू हो गया है। इसमें पहले दौर में राष्ट्रीय महामंत्रियों की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने ली।

इस दौरान सभी राष्ट्रीय महामंत्री मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि इस बैठक में आगामी दिनों में देश के कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर मंथन किया। इसके साथ ही विधानसभा के चुनाव के बाद 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियां अभी से शुरू करने पर भी मंथन किया गया। इस बैठक में प्रदेशों में आगामी दिनों में किए जाने वाले कार्यक्रम और कांग्रेस या अन्य विपक्षी पार्टियों को घेरने की रणनीति प्रमुख रूप से बने इसके लिए विचार मंथन किया गया। इस बैठक में आगामी दिनों में भाजपा के होने वाले कार्यक्रमों के बारे में भी चर्चा की गई।

रिलायंस रिटेल लिमिटेड पर छह हजार रुपए का हर्जाना

जयपुर, (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग ने आलू की कीमत से तीन रुपए ज्यादा वसूलने पर रिलायंस रिटेल लिमिटेड पर छह हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग ने यह आदेश नंदकिशोर की ओर से दायर परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए।

परिवाद में कहा गया कि रिलायंस रिटेल लि. ने एक जनवरी से दस जनवरी 2016 तक आलू की कीमत 8.50 रुपए प्रति किलोग्राम तय की थी और विज्ञापन में इसका उल्लेख भी किया था। परिवाद में कहा गया कि उसने 2.120 किलोग्राम आलू खरीदे, लेकिन रिलायंस ने तय कीमत के बजाए 21.20 रुपए वसूल लिए। परिवादी की ओर से कहा गया कि विक्रेता ने 18.02 रुपए के बजाए अधिक रुपए वसूल कर सेवा दोष कारित किया है। वहीं आयोग की ओर से नोटिस भेजने के बावजूद भी रिलायंस की ओर से कोई जवाब पेश नहीं किया गया।

विराट की वापसी, ठोका अर्द्धशतक, प्लेऑफ की उम्मीदें कायम

स्कोर बोर्ड

गुजरात टायटंस	रन	गेंद	4	6
साहा रन आउट	31	22	4	1
शुभमन का मैक्सवैल बो हेजलवुड	1	4	0	0
मैथ्यू पगबाधा बो मैक्सवैल	16	13	2	1
हार्दिक नाबाद	62	47	4	3
मिलर का और बो हसरंगा	34	25	0	3
तेवतिया का कार्तिक बो हेजलवुड	2	3	0	0
राशिद नाबाद	19	6	1	2
अतिरिक्त :	3			

कुल : 20 ओवर में 5 विकेट पर 168 रन
विकेट पतन : 1-21, 2-38, 3-62, 4-123, 5-132
गेंदबाजी : सिद्धार्थ 4-0-43-0, शाहबाज 2-0-15-0, हेजलवुड 4-0-39-2, मैक्सवेल 4-1-28-1, लोमरोर 1-0-11-0, हसरंगा 4-0-25-1, पटेल 1-0-6-0

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरू	रन	गेंद	4	6
कोहली स्ट वाडे बो रशिद	73	54	8	2
प्लेसिस का हार्दिक बो रशिद	44	38	5	0
मैक्सवेल नाबाद	40	18	5	2
कार्तिक नाबाद	2	2	0	0
अतिरिक्त :	11			

कुल : 18.4 ओवर में 2 विकेट पर 170 रन
विकेट पतन : 1-115, 2-146
गेंदबाजी : शमी 2-0-23-0, हार्दिक 3-0-35-0, राशिद 4-0-32-2, दयाल 4-0-35-0, किशोर 4-0-20-0, फर्गुसन 1.4-0-21-0

मुम्बई, 19 मई। पूर्व कप्तान विराट कोहली (73) की फॉर्म में वापसी और ग्लेन मैक्सवेल की नाबाद 40 रन की आतिशी पारी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को आईपीएल मुकाबले में गुरूवार को आठ विकेट से मात देकर टीम की प्लेऑफ की उम्मीदों को कायम रखा।

गुजरात ने कप्तान हार्दिक पांड्या की नाबाद 62 रन की शानदार कप्तानी पारी से 20 ओवर में पांच विकेट पर 168 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया लेकिन बेंगलुरु ने 18.4 ओवर में दो विकेट पर 170 रन बनाकर मैच जीत लिया। बेंगलुरु की 14 मैचों में यह आठवीं जीत रही और वह 16 अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया है लेकिन उसका नेट रन रेट माइनस में होना उसके लिए अंत में नुकसानदायक हो सकता है। बेंगलुरु की उम्मीदें अब दिल्ली के आखिरी मैच के परिणाम पर निर्भर करेंगी जिसका प्लस में रन रेट है। बेंगलुरु की जीत से पंजाब और हैदराबाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

विराट ने 54 गेंदों पर 73 रन में आठ चौके और दो छक्के लगाए और कप्तान फ़ाफ़ डुप्लेसी (44) के साथ ओपनिंग साझेदारी में 115 रन जोड़े। ग्लेन मैक्सवेल आने के साथ ही राशिद खान की गेंद पर बीट हुए लेकिन गेंद स्टंप्स को टच करते हुए निकल गयी। बेल्स में बत्ती भी जली लेकिन बेल्स गिरी नहीं और मैक्सवेल ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए चौके-छक्के उड़ाए। डुप्लेसी को आउट करने वाले राशिद ने विराट को स्टंप कराया। मैक्सवेल ने फिर दिनेश कार्तिक के साथ मैच निपटा दिया। विराट कोहली के जिस अंदाज का आरसीबी को इंतजार था, वह आज देखने को मिला। वही पुराना आक्रामक अंदाज। यही वजह रही कि आरसीबी के ओपनरों ने पूरी तरह से डोमिनेट किया और गुजरात टाइटंस के दिए 169 के लक्ष्य को बौना साबित कर दिया। विराट को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

भारत की निखत ने विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में जीता स्वर्ण

नयी दिल्ली, 19 मई। भारतीय मुक्केबाज निकहत जरीन ने करोड़ों देशवासियों की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए गुरुवार को तुर्की के शहर इस्तांबुल में 5-0 से शानदार जीत के साथ आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के 12वें संस्करण में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

निखत ने 52 किग्रा भार वर्ग के खिताबी मुकाबले में थाईलैंड की जितपोंग जुतामास को बिना किसी खास परेशानी से एकतरफा अंदाज में दोयम साबित किया। सभी पांच जजों ने भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में 30-27, 29-28, 29-28, 30-27, 29-28 का स्कोर दिया।

निजामाबाद (तेलंगाना) में जन्मी यह मुक्केबाज छह बार की चैंपियन एमसी मैरी कॉम (2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018), सरिता देवी (2006), जेनी आरएल (2006) और लेख केसी (2006) के बाद विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल करने वाली सिर्फ पांचवीं भारतीय महिला बनीं। इस प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन में 2018 में महान मुक्केबाज मैरी कॉम की खिताबी जीत के बाद से यह भारत का पहला स्वर्ण पदक भी है।

आज के मुकाबले को देखें तो निखत ने अच्छी शुरुआत की और कुछ सटीक मुक्कों से शुरूआती तीन मिनट में आत्मविश्वास से लबरेज जुतामास के खिलाफ बढ़त हासिल की। ऐसा नहीं था कि निखत के सामने खड़ी मुक्केबाज का स्तर अच्छा नहीं था। वह तीन बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता कजाकिस्तान की ज़ैना शेकरबेकोवा को हराकर फाइनल में पहुंची थीं।

इन सबकी परवाह किए बगैर 25 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने अपने लंबे कद का पूरा फायदा उठाया और थाई मुक्केबाज के खिलाफ अपना दबदबा बनाए रखा। निखत ने जुतामास को 2019 थाईलैंड ओपन के सेमीफाइनल में हराया था। जुतामास ने हालांकि दूसरे राउंड में जवाबी हमला करते हुए करने की कोशिश की लेकिन वह काफी तेज और सटीक दिख रहीं निखत के सामने मुश्किल से ही कोई परेशानी पैदा करने में कामयाब हो सकीं। इसका कारण यह था कि निखत पूरी तरह से नियंत्रण में दिख रही थीं।

निखत ने सामने से अपनी विपक्षी खिलाड़ी पर सटीक मुक्के मारे और ताकत के साथ उनके सामने डटी रहीं। यह सब बातें उनके लिए काफी महत्वपूर्ण कारक साबित हुई और इसका फायदा निखत को अंतिम राउंड में मिला और वह अपना पहला फाइनल खेलते हुए लगातार हमले करती रहीं और अंततः विजेता बनकर उभरीं।

मैं जीवन के उस पड़ाव में हूं जहां फील्ड पर उत्साह या निराशा नहीं ढूंढ़ता : कोहली

मुम्बई, 19 मई। आईपीएल में खराब दौर से गुजर रहे पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि वह अपने जीवन के सबसे सुखास्पद पड़ाव में हैं और फ़ील्ड पर क्या होता है उसमें वह उत्साह या निराशा नहीं ढूंढते। साथ ही उन्होंने कहा है कि आईपीएल में लगभग नौ सीज़न बाद सिर्फ़ एक खिलाड़ी के रूप में खेलते हुए भी वह एक ज़िम्मेदार सीनियर खिलाड़ी की भूमिका निभा रहे हैं और कप्तान फ़ाफ़ डुप्लेसी को सुझाव देने से नहीं कतराते हैं।

स्टार स्पोर्ट्स पर इनसाइड आरसीबी कार्यक्रम पर कोहली ने कप्तानी त्यागने के बाद खेलने के बारे में कहा, सच कहूं तो यह थोड़ा अलग है। मैं यह नहीं कहूंगा कि यह कठिन है क्योंकि आप लगातार प्रक्रिया में योगदान देते रहते हैं। सौभाग्य से फ़ाफ़ और मुझमें दोस्ती हमेशा अच्छी रही है। टीम में एक नेतृत्व समूह है जिसमें हम सब अपने सुझाव देते हैं।

मैदान पर भी जब फ़ाफ़ आउटफ़ील्ड में होते हैं तो उन्होंने मुझे कोण और खिलाड़ियों के स्थान में छोटे-मोटे परिवर्तन करने की छूट दे रखी है। ऐसा मैं एमएस (धोनी) के साथ खेलते हुए भी किया करता था। एक ज़िम्मेदार सीनियर खिलाड़ी के तौर पर खेल में अधिक योगदान देने और कप्तान को सुझाव देने में मुझे बहुत मज़ा आता रहा है और यहां भी ऐसा ही है। कोहली ने आईपीएल 2022 के पहले 13 मैचों में केवल 236 रन बनाए हैं और सीज़न के बीच ओपनर के रूप में खेलते हुए भी उनके प्रदर्शन में ख़ासा फ़र्क नहीं पड़ा है। वह कुल छह बार 10 से कम के स्कोर पर आउट हुए हैं और इसमें तीन गोल्डन डक शामिल हैं जहां गेंदबाज़ो ने उन्हें उनकी पारी की पहली गेंद पर पवेलियन भेज दिया है।

केवल एक अर्धशतक लगाने के बावजूद कोहली ने इस पड़ाव पर एक दार्शनिक दृष्टिकोण दिखाते हुए कहा, भले ही यह अनुभव हो या इससे पहले घटे अनुभव, मैं उनकी वजह से ख़ुद को ज़्यादा मूल्यवान मानता हूं। मैं वास्तव में अपने जीवन के सबसे सुखास्पद पड़ाव पर हूं और मुझे मैदान पर घट रही चीज़ों में कोई मोल या आत्म मूल्य नहीं दिखाई देता। इसका मतलब यह नहीं कि मुझमें सफल होने की भूख़ नहीं रही। जिस दिन वह भूख़ चली जाएगी मैं यह गेम छोड़ दूंगा।

कोहली का भाग्य उनका साथ नहीं दे रहा है : शास्त्री

मुम्बई, 19 मई। भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि विराट कोहली का भाग्य उनका साथ नहीं दे रहा है लेकिन उन्हें निर्भिक तरीक़े से खेलने की आवश्यकता है। ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो हिंदी के प्री मैच शो टी20 टाइमआउट हिंदी में शास्त्री ने कोहली की बल्लेबाज़ी के बारे में बात करते हुए कहा, अगर विराट कोहली ओपनिंग करने आते हैं तो उन्हें निर्भिक होकर खेलना चाहिए। उन्हें कहीं से भी दब कर नहीं खेलना है। मेरे ख़्याल में काफ़ी समय से उनका लक भी उनके साथ नहीं है।कोहली ने आईपीएल 2022 में 19.66 की औसत से 236 रन बनाए हैं, जिसमें मात्र एक अर्धशतक शामिल है।

सहवाग ने कहा, गांगुली ने नई टीम बनायी, विराट ऐसा नहीं कर पाए

नई दिल्ली, 19 मई। पूर्व भारतीय कप्तान विरेंद्र सहवाग ने कहा है कि सौरव गांगुली ने एक नई टीम बनाई लेकिन विराट कोहली अपने समय में ऐसा नहीं कर पाए। स्पोर्ट्स18 चैनल के एक कार्यक्रम में सहवाग ने विराट कोहली और सौरव गांगुली की कप्तानी के बारे में भी एक तुलनात्मक टिप्पणी की। सहवाग ने कहा सौरव गांगुली ने एक नई टीम बनाई, नए खिलाड़ियों को टीम में लाये और उनके उतार-चढ़ाव में उनका समर्थन किया। मुझे संदेह है कि क्या कोहली ने अपने कार्यकाल के दौरान शायद ही ऐसा किया हो।

सुशील अध्यक्ष और ऋतुपर्ण सचिव बने

जयपुर, 19 मई। राजस्थान सितोलिया एसोसिएशन की जनरल मीटिंग आयोजित की गई जिमसें चुनाव अधिकारी रमापती दाधीच (अधिवक्ता) द्वारा चुनाव कराये गये। जिसमें सुशील गुर्जर (अध्यक्ष) ऋतुपर्ण पारीक (सचिव), सुनील गुप्ता (कोषाध्यक्ष) नरेन्द्र जोशी, धर्मेंद्र सिंह चूचू बना (वरिष्ठ उपाध्यक्ष) चुने गये। इस अवसर पर राजस्थान सितोलिया एसोसियेशन के चेयरमैन मित्रोदय गांधी ने सभी पदाधिकारियों को माला पहनाकर स्वागत किया। आगामी सत्र में होने वाले प्रतियोगिता एवं खेल के प्रचार-प्रसार के बारे में कई प्रस्ताव पारित किये गये। इस अवसर पर निर्वाचित अध्यक्ष सुशील गुर्जर ने कहा कि सितोलिया हमारा पारंपरिक खेल है। इस खेल को बढ़ाने के लिए हम निरंतर प्रयास करेंगे। जिससे इस खेल को राजस्थान में अपनी अलग पहचान मिल सके।

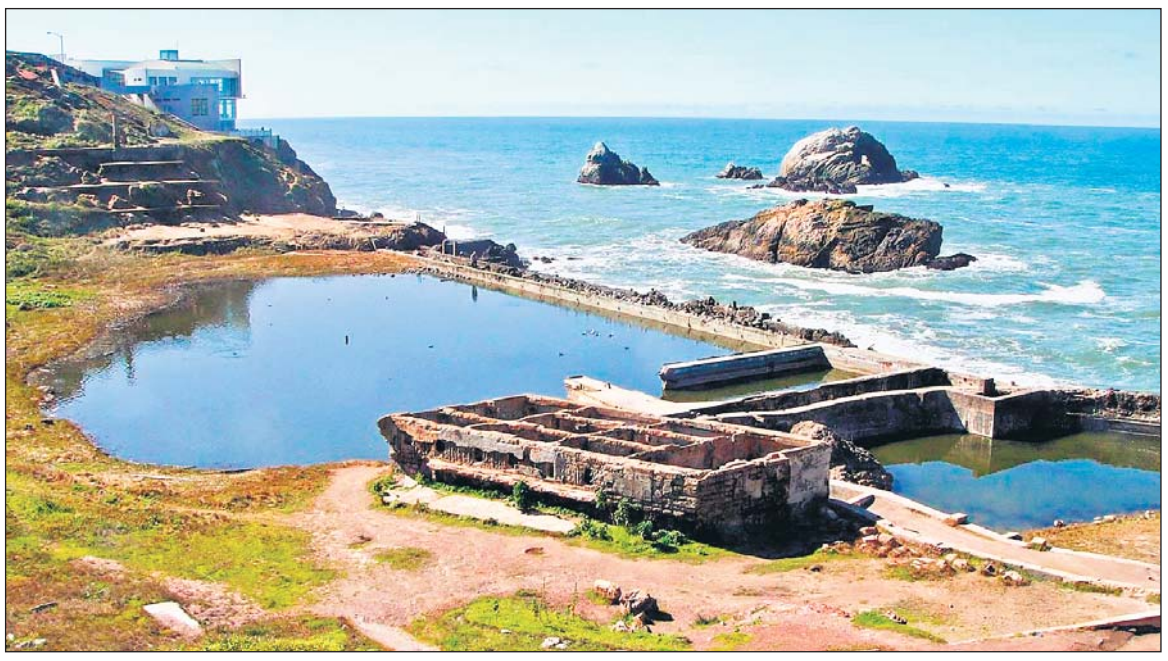

सैनफ्रांसिस्को में ओशन बीच के ठीक उत्तर में गोल्डन गेट नैशनल रीक्रिएशन एरिया है, जहां कभी विश्व का सबसे बड़ा इन्डोर स्विमिंग पूल ''सूत्रो बाथ्स'' हुआ करता था। इसके अवशेष आज भी देखे जा सकते हैं। जाने माने उद्योगपति और सैनफ्रांसिस्को के मेयर एडॉल्फ सूत्रो ने अपने क्लिफ हाउस के साथ ये स्नानागार बनवाए थे। उनका घर ओशन बीच की एक खड़ी चट्टान के किनारे पर टिका हुआ था। क्लिफ हाउस के नीचे एक छोटे से इनलैट (समुद्र या झील से जमीन पर आने वाली छोटी जलधारा) में यह स्नानागार बनाया गया था। कांच की एक बड़ी इमारत में ताजे पानी का एक पूल था तथा 6 पूल खारे पानी के थे, सबका अलग-अलग तापमान था। सूत्रो बाथ्स 150 मीटर लम्बे और 77 मीटर चौड़े थे और इसमें 18 से 20 लाख गैलन पानी आ सकता था। इनमें पानी भरने का सिस्टम बहुत अद्भुत था। ज्वार के समय समीपवर्ती समुद्र से सीधे पानी आता था और एक घंटे में बाथ में भरा 20 लाख गैलन पानी रीसाइकल हो जाता था। लो टाइड (भाटा) के समय एक शक्तिशाली टरबाइन वॉटर पम्प 5 घंटे में टैंकों को भर देता था। यहां 500 से ज्यादा प्राइवेट ड्रैसिंग रुम थे तथा 20,000 लोगों के लिए स्नान की सुविधा थी। पूल्स के अलावा एक म्यूज़ियम भी था, जिसमें वो वस्तुएं प्रदर्शित थीं जो सूत्रो ने मिस्र की यात्रा के दौरान एकत्रित की थीं। इसके अलावा स्टफ्ड पोलर बेअर और वनमानुष, अलास्का के टोटम पोल और मैक्सिको, चीन, एशिया व मध्य-पूर्व से एकत्रित पेंटिंग्स, टैपस्ट्रीज़ और कलाकृतियां भी थीं। सूत्रो बाथ बेहद लोकप्रिय थे पर ये फायदे का सौदा साबित नहीं हुए और इनका रखरखाव महंगा पड़ने लगा। धीरे-धीरे इनकी लोकप्रियता कम हो गई। फायदेमंद बनाने के लिए इसे आइस स्केटिंग रिंक में बदल दिया गया, पर यह अपनी पुरानी लोकप्रियता कभी नहीं पा सका। बाद में एक प्रॉपर्टी डवलपर ने यह इमारत खरीद ली, उसने टैंक तोड़ने शुरु किए ताकि वहाँ ऊंची इमारत बना सके। सन् 1966 में रहस्यमय तरीके से आग लगने के कारण बचाखुचा ढांचा भी नष्ट हो गया। लेकिन यहां कभी भी ऊंची इमारत नहीं बन पाई।

'पेपर लीक की घटनाओं के पीछे बेरोजगारी सबसे बड़ा कारण'

मुख्यमंत्री का तर्क है-बेरोजगारी बढ़ेगी तो क्राइम बढ़ेगा, पेपर लीक के गैंग बनेंगे

- ''आदमी जब फ्रस्ट्रेशन में होता है तो क्राइम करता है, नशा करता है, क्या-क्या नहीं करता?''
- घोघरा मामले में कहा-युवा विधायक भावुक हैं, मना लेंगे।

जयपुर, 19 मई (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं के पीछे सबसे बड़ा कारण बेरोजगारी को माना है उनका कहना है कि जिस तरह से पेपर लीक की घटनाएं पूरे देश में हो रही हैं उसका कारण है कि बेरोजगारी फैल रही है और देश में बेरोजगारी मुद्दा बना हुआ है। रीट के बाद कॉंस्टेबल भर्ती परीक्षा का पर्चा लीक होने संबंधी सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने यह बात कही। वहीं उन्होंने कांग्रेस विधायक गणेश घोघरा की ओर से दिए गए इस्तीफे पर कहा कि वैभव का आदमी है हम उन्हें मना लेंगे। इसी के साथ मर्डर केस में गिरफ्तार उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी के भाई के मामले को लेकर कहा कि जो भी गलत होगा उसके खिलाफ कार्यवाही होगी इसके लिए हम ने पुलिस को कह रखा है कि किसी की सिफारिश नहीं माननी है।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर मीडिया से बात करते हुए गहलोत ने कहा ''जो क्राइम हो रहा है, रेप हो रहे हैं काफी हद तक उसके पीछे भी कारण होता है कि आदमी जब फ्रस्ट्रेशन में होता है तो क्राइम करता है, नशा करता है, क्या क्या नहीं करता ? रोजगार नहीं मिलेगा तो क्राइम बढ़ेगा और पेपर लीक जैसी घटनाएं गैंग बनाकर होंगी जो कि हो रही हैं। हर राज्य में होने लगी हैं। यूपी में बहुत बड़ी घटना हुई थी। राजस्थान में कानून पास किया है। हम सुनिश्चित करेंगे कि युवाओं को रोजगार मिले। इतनी बड़ी संख्या में नौकरियां निकाली हैं, उसका फायदा तो मिले।''

गणेश घोघरा के इस्तीफे पर गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी की सभा में गणेश घोघरा ने कहा था कि ''हमारे मुख्यमंत्री गांधीवादी नेता हैं। आप समझ जाओ, मुख्यमंत्री गांधीवादी है, तो एसडीओ को बंद करने वाला काम तो गांधीवादी नहीं है। गणेश घोघरा हमारा नौजवान साथी है, भावुक आदमी है। इस्तीफे की घोषणा की होगी हम समझाइश करेंगे, मान जाएगा। वे जनता के लिए संघर्ष करते रहते हैं। उनकी तारीफ करनी चाहिए।'' गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी ने कहा था कि जनता से कनेक्शन जोड़ो, जनप्रतिनिधि को जनता के बीच जाना चाहिए। राजनीति में काम करने वालों का यही असली काम होता है कि जनता के बीच जाएं, जनसुनवाई करें। पर वहां घटना दूसरी हो गई, अति उत्साह में एसडीओ को बंद कर दिया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राजस्थान में कानून का राज है, कानून का राज रहना चाहिए। इसलिए एसडीओ को बंद करने की एफआईआर दर्ज हो गई। मैंने तनाव के वक्त भी कहा था और अब भी खुले तौर पर कह रहा हूं कि कोई हिंसा करवाएगा, दंगे करवाएगा तो कानून अपना काम करेगा। गणेश घोघरा को इसलिए फील हुआ होगा कि एफआईआर दर्ज हो गई, कार्यकर्ताओं के खिलाफ भी हुई होगी।

उप सचेतक महेंद्र चौधरी के भाई पर मर्डर केस में गिरफ्तारी पर मुख्यमंत्री ने कहा मंत्री, विधायक अपने पद का दुरुपयोग कर किसी परिजन को बचाएं तो आप आरोप लगाएं। कोई गलत काम करता है तो कानून अपना काम करेगा तो मैंने पुलिस को दो टूक कह रखा है कि अपराध के मामले में निष्पक्ष होकर काम करना है, राजनीतिक सिफारिश नहीं माननी है।

'गेहूँ के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुमति के आधार पर गेहूं के निर्यात की अनुमति प्रदान की जाएगी। इसके अलावा अन्य देशों के अनुरोध पर भी सरकार निर्यात की अनुमति देगी।''

कर्मचारियों की धमकी, विधायकों का रवैया नहीं सुधरा तो आंदोलन करेंगे

अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ कांग्रेस विधायकों के रवैये से पनप रहा है कर्मचारी संगठनों में विरोध

जयपुर, 19 मई (का.प्र.)। राजस्थान की कांग्रेस सरकार इस बार राज्य कर्मचारियों को खुश करने के जहां हर जतन कर रही है वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के विधायकों द्वारा कर्मचारियों के खिलाफ लगातार की जा रही कार्यवाहियों के बाद कर्मचारियों में सरकार के प्रति लगातार नाराजगी बढ़ती जा रही है। ऐसे में सरकार की ओर से राज्य कर्मचारियों के हितों में किए गए फैसलों के बावजूद कर्मचारी सरकार के प्रति खफ़ा नजर आते हैं।

बाड़ी विधायक गिर्राज मलिंगा और उनके समर्थकों द्वारा बिजली विभाग के अधिकारियों से मारपीट की घटना के अलावा एसीबी की ओर से आर.ए.एस. अधिकारी को बुलाकर पूछताछ करने के मामले हो चुके हैं और अब आदिवासी विधायक गणेश घोघरा और उनके समर्थकों द्वारा एसडीएम को बंद करने का मामला चर्चा में हैं। इन सब मामलों को लेकर राजस्थान के कर्मचारियों में कांग्रेस के प्रति गुस्सा पनपता दिख रहा है। कर्मचारी महासंघ की ओर से मुख्यमंत्री से इन तमाम मामलों को लेकर ज्ञापन देने तथा विधायकों के रवैये की शिकायत करने की तैयारी है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि वे विधायकों की ज्यादती अब ज्यादा बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं है।

कर्मचारी संगठन से जुड़े एक कर्मचारी का कहना है कि राज्य के कर्मचारी हितैषी मुख्यमंत्री कर्मचारियों के हित में नए-नए एतिहासिक फैसले कर आयाम स्थापित कर रहे है। इन फैसले में पुरानी पैन्शन योजना लागू करना, आर.जी.एच.एस. योजना, विभिन्न भत्ते बढ़ाये जाना, 3 लाख कर्मचारियों के वेतन कटौती के आदेशो पर रोक लगाने समेत अनेकों कर्मचारी हित के कार्यों के बावजूद विधायकों की ओर से राज्य सरकार के कर्मचारियों को ऑफिस में बंद कर देने, उनसे मारपीट करने तथा उनको स्थानान्तरण की धमकिया देने सहित मानसिक प्रताड़ना दी जा रही है। कर्मचारी नेता इसकी कड़ी निन्दा करते है। इस मामले को लेकर कर्मचारी महासंघ के प्रदेश प्रवक्ता एवं नर्सेज नेता नरेन्द्र सिंह शेखावत, राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष प्यारेलाल चौधरी, प्रदेश महामंत्री सुनील शर्मा का कहना है कि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति पर रोक लगाने व दोषी लोगों पर कार्यवाही करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ज्ञापन देगें।

इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि कर्मचारियों व अधिकारियों को इसी तरह से प्रताड़ित किया गया तो राज्य के समस्त कर्मचारी संगठनों की बैठक बुलाकर प्रभावी आन्दोलन किया जायेगा।

आज़म खान को जमानत

नई दिल्ली, 19 मई (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने सपा नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खान की अंतरिम जमानत की अर्जी गुरुवार को स्वीकार कर ली। न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति बी. आर. गवयी और ए. एस. बोपन्ना की पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत प्राप्त अपनी अधिकारों का प्रयोग करते हुए अंतरिम जमानत का आदेश पारित करते हुए याचिकाकर्ता पूर्व मंत्री को संबंधित अदालत के समक्ष दो सप्ताह के भीतर नियमित जमानत की अर्जी दाखिल करने की अनुमति दी। शीर्ष अदालत ने 17 मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

- आज़म खान की जमानत भी ऐसे मौके पर हुई है, जब आगामी जुलाई में रामपुर लोकसभा सीट पर उपचुनाव होने वाला है।

सुप्रीम कोर्ट ने साइरस मिस्त्री की पुनर्विचार याचिका खारिज की

सुप्रीम कोर्ट ने टाटा संस लिमिटेड के अध्यक्ष पद से हटाने के कंपनी के फैसले को फिर बरकरार रखा

नई दिल्ली, 19 मई (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने साइरस मिस्त्री को टाटा संस लिमिटेड के अध्यक्ष पद से हटाने के टाटा समूह की कार्यवाही को सही ठहराने वाले अपने पिछले साल के एक फैसले पर पुनर्विचार करने से गुरुवार को इनकार कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना और न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रह्मण्यन की पीठ ने साइरस मिस्त्री की याचिका खारिज कर दी।

याचिका शापूरजी पल्लोनजी समूह दायर की गई थी, जिसमें शीर्ष अदालत से 26 मार्च 2021 के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की गुहार लगाई गई थी।

- वर्ष 2016 से चल रहे इस विवाद में टाटा समूह को एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने राहत दी है।

उच्चतम न्यायालय ने 2021 में राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एन.सी.एल.ए. टी.) के 18 दिसंबर 2019 के उस फैसले को पलट दिया था, जिसने टाटा संस लिमिटेड के अध्यक्ष के रूप में साइरस मिस्त्री को बहाल करने का आदेश दिया था।

हालांकि, शीर्ष अदालत ने मिस्त्री पर की गई कुछ खास टिप्पणियों को हटाने की उनकी गुहार संबंधी एक आवेदन को स्वीकार कर लिया। साइरस मिस्त्री ने उनका टिप्पणियों का विरोध किया था।

वर्ष 2016 से चल रहे इस विवाद में टाटा समूह को एक बार फिर शीर्ष अदालत के फैसले ने राहत दी है। रतन टाटा ने साइरस मिस्त्री को वर्ष 2016 में टाटा संस का अध्यक्ष नियुक्त किया था लेकिन कुछ ही समय बाद रतन टाटा एवं साइरस मिस्त्री के बीच रिश्तों में कुछ खटास आ गई और उन्होंने साइरस मिस्त्री को पद से हटाने का निर्णय लिया।

1948 में आज़ादी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक्सपर्ट्स ने इन खबरों पर यह कहते हुए सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है कि चूक जीवन का अन्त नहीं है, बल्कि यह सुधारों और पुनर्निमाण के एक नए चरण की शुरुआत है।

यह बात भारत जैसे देश के मामले में अधिक सच जान पड़ती है। जैसा कि हमने देखा है वर्ष 1991-92 में विदेशी भुगतानों में चूक के खतरे ने भारतीय आर्थिक सुधार कार्यक्रमों की शुरुआत की थी, जो कि देश की आर्थिक संरचना के लिए सर्वाधिक महत्वाकांक्षी और व्यापक बदलाव थे और इन्होंने आर्थिक वृद्धि तथा विकास का सूत्रपात किया।

बाजार में आयी वर्तमान निराशा का कारण यह धारणा है कि अब मंदी आने वाली है। परिणामस्वरुप बड़े केन्द्रों से वित्तीय बाजार खिसक रहे हैं। शेयर्स की कीमतें धराशायी हो रही हैं और बॉण्ड्स से मुनाफा बढ़ रहा है।

वित्तीय बाजारों की अनिश्चिता और विपरीत रुख के समय में निवेशक प्रायः जोखिमपूर्ण परिसम्पत्तियों से किनारा कर अमेरिकी डॉलर वाली सेफ हैवन परिसम्पत्तियों की शरण में जाते हैं। इससे उभरते बाजारों में तुरंत प्रभाव से कुछ धनवापसी हो सकती है।

भारतीय स्टॉक मार्केट ने ग्लोबल ट्रैण्ड्स के कारण हाल ही के सप्ताहों में जबर्दस्त झटका खाया है। स्टॉक मार्केट के ट्रैण्ड्स जब कमजोर पड़ जाते हैं, तो विदेशी संस्थागत निवेशक अपने निवेश मूल्यः को बनाए रखने के लिए वहां से निकल लेते हैं। निवेशक इसके कारण निवेशक अपने् शेयर्स के मूल्य को रुपए में कन्वर्ट कर बाजार छोड़ देते हैं जिससे रुपए की विनिमय दर तुरंत प्रभाव से गिर जाती है।

यह वास्तव में वैसा ही है जैसा कि वर्ष 2008-09 के वैश्विक वित्तीय संकट के तुरंत बाद हुआ था। वैश्विक बाजारों के फ्रति अविश्वासी रुख के कारण वित्तीय बाजार गिर गए थे। भारत के मामले में वैश्विक वित्तीय गिरावट स्टॉक और विदेशी विनिमय बाजारों के जरिए भारतीय बाजारों में प्रवेश कर गई थी। भारतीय रुपए में आई गिरावट और गंभीर होती, लेकिन रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया (आर.बी.आई.) ने बाजार में हस्तक्षेप कर रुपए को सराहा दिया। आर.बी.आई. ने रुपए का मूल्य स्थिर करने के लिए अपने मुद्रा भण्डार की तिजोरी खोल दी है।

सिद्धू को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने इस दलील को अस्वीकार कर दिया कि उन्हें निन्दनीय मानव-वध का अपराधी माना जाये, हालांकि यह इंडियन पैनल कोड़ (आई.पी.सी.) की धारा 304ए के तहत, हत्या के समकक्ष न हो।

सर्वोच्च न्यायालय ने उस याचिका पर अपने निर्णय को 25 मार्च को सुरक्षित रख लिया था, जो याचिका इसी अदालत के उस आदेश पर पुनर्विचार हेतु लगाई गई थी, जिस आदेश में सिद्धू को इसी केस में 1000 रू. का जुर्माना करके छोड़ दिया गया था। अदालत ने सिद्धू की सजा में वृद्धि की माँग करने वाली इस पुनर्विचार याचिका स्वीकार कर लिया। वादी के वकील सुधीर वालिया ने इस फैसले का स्वागत किया है। सिद्धू को आदेश दिया गया है कि इस सजा के सिलसिले में पटियाला कोर्ट के समक्ष आत्म समर्पण कर दें। इससे पूर्व, सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें 1000 रू. जुर्माना करने के बाद मुक्त कर दिया था। उन्हें दी गई इस सजा का कारण 1988 में हुए तेज गति से गाड़ी चलान के कारण हुए हादसे में किसी गुरनाम सिंह नामक व्यक्ति की मृत्यु हो जाना रहा।

टोक्यो में क्वॉड नेताओं की सुरक्षा के प्रति जापान आशंकित

राष्ट्रपति बाइडन, प्रधानमंत्री मोदी, प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन और प्रधानमंत्री कीशीदा फूमीयो की सुरक्षा में 18 हजार से अधिक जवान तैनात किये जायेंगे

नई दिल्ली, 19 मई। जापान की राजधानी टोक्यो में क्वॉड नेताओं की 24 मई को बैठक होने वाली है। इस बैठक में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जापान के प्रधानमंत्री फूमीयो कीशीदा और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन शामिल होंगे। ऑस्ट्रेलिया में 21 मई को आम चुनाव हैं इसलिए यह साफ नहीं है कि ऑस्ट्रेलिया की ओर से क्वॉड शिखर सम्मेलन में कौन भाग लेगा। इस बीच टोक्यो पुलिस ने कहा है कि, क्वाड नेताओं की कड़ी सुरक्षा को लेकर करीब 18 हजार पुलिस अधिकारियों को टोक्यो में तैनात किया जाएगा।

जापान टाइम्स की एक रिपोर्ट बताती है कि टोक्यो के मेट्रोपॉलिटन एक्सप्रेसवे पर 22 मई से तीन दिनों के लिए यातायात प्रतिबंध लगाया जाएगा। टोक्यो मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग को आशंका है कि, यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बीच तनावपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय वातावरण में हमलों और व्यवधानों का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में टोक्यो पुलिस ड्रोन का जवाब देने के लिए दंगा पुलिस और सुरक्षा दल भी तैनात करेंगे।

- जापान की राजधानी टोक्यो में क्वॉड नेताओं की 24 मई को बैठक होने वाली है जिसमें ये सभी नेता शामिल होंगे।

क्वॉड मीटिंग की जानकारी देते हुये भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 मई को टोक्यो में क्वाड समिट में शामिल होंगे। यह क्वाड लीडर्स के बीच चौथा पारस्परिक संवाद होगा। ये हिन्द प्रशांत क्षेत्र और परस्पर हित के दूसरे विश्व मुद्दों पर विचार साझा करने का अच्छा अवसर होगा।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान के बिजनस लीडर्स के साथ एक बिजनस इवेंट में हिस्सा लेंगे। वे जापान में भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगे और उनके साथ बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक की भी संभावना है। वहीं पैंगौंग त्सो झील के पास चीन द्वारा ब्रिज तैयार करने की खबरों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि, ब्रिज के बारे में रिपोर्ट देखी हैं, ये सैन्य मुद्दा है, इस पर मैं कुछ कह नहीं पाऊंगा, इसे हम अधिकृत क्षेत्र मानते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि बातचीत चल रही है। एल.ए.सी. के बारे में हमारी लगातार वार्ता होती रहती है। चीन के विदेश मंत्री भी आए थे, हमारी अपेक्षाएं भी उनके आगे रखी गई। कोशिश रहेगी कि इसे आगे बढ़ाते रहें, बातचीत से समाधान निकालना पड़ेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक, पिछले साल काबुल में सुरक्षा स्थिति के चलते सभी भारतीय कर्मियों को अफगानिस्तान से बाहर निकालना पड़ा।

जी.एस.टी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समर्थन करते हुये, न्यायमूर्ति डी.वाई. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच ने कहा कि जी.एस.टी. काउंसिल की अनुशंसाएं केवल ''विश्वासोत्पादक (पर्सुएसिव) हैं, बाध्यकारी नहीं।'' बैंच ने कहा कि जी.एस.टी. काउंसिल की भूमिका यहीं तक सीमित है कि वह केन्द्र तथा राज्य सरकार को उचित रूप से सलाह दे। बैंच के अन्य दो जज थे- न्यायमूर्ति सूर्यकांत एवं विक्रम नाथ।

फैसले में कहा गया है, ''सरकार, सी.जी.एस.टी. एक्ट तथा आई.जी.एस.टी. एक्ट के प्रावधानों के तहत, कानून बनाने के अधिकारों को काम में लेते समय, जी.एस.टी. काउंसिल की सिफारिशों से बाध्य है। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि अनुच्छेद 279ए (4) के आधार पर की गई जी.एस.टी. काउंसिल की सभी सिफारिशें प्राथमिक कानून बनाने के मामले में विधायिका की शक्ति का बाध्य करने वाली हैं।''

सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दी। किन्तु प्रबंध समिति के एक अधिकारी ने कहा है, ''धर्मनिष्ठ लोग वज़ू नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि जिस जगह नलों का पानी उपलब्ध है, वह जगह सील कर दी गई है। हमने नमाज़ियों से निवेदन किया है कि वे मस्जिद आने से पहले अपने घर पर ही वज़ू कर लें। वाराणसी की अंजुमन इन्तज़ामिया मस्जिद की प्रबंध समिति की ओर से प्रस्तुत वरिष्ठ वकील हुज़ेफ़ा अहमदी ने बैंच से कहा कि उनकी ''आशंका केवल यह है कि वज़ू खाना के पास वाली एक दीवार को गिराने के लिये कोई अर्ज़ी लगा दी गई है'' तथा आगे की कार्यवाही चल रही हैं।

बैंच ने एडवोकेट विष्णु शंकर जैन, जिन्होंने स्थगन का निवेदन किया था, ने कहा कि दूसरे पक्ष द्वारा व्यक्त डर/आशंका को मद्देनज़र रखते हुये, वे गुरुवार को ट्रायल कोर्ट के समक्ष सुनवाई के लिये दबाव न डालें।

वकील इस सुझाव से सहमत हो गये तथा अदालत ने इसे रिकॉर्ड पर ले लिया तथा ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिये कि वह सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व आदेश की कठोरता से अनुपालना करे तथा इस मुकदमें की आगे कोई भी कार्यवाही करने से स्वयं को दूर रखे।

एक बार फिर ताइवान का मुद्दा छेड़ कर चीन को नाराज किया अमेरिका ने

अमेरिका ने कहा कि, ताइवान को डब्ल्यु.एच.ओ. की सदस्यता दी जाये

वॉशिंगटन, 19 मई (वार्ता/स्पूतनिक)। अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) को सलाह दी है कि वह आगामी विश्व स्वास्थ्य सभा (डब्ल्यू.एच.ए.) में ताइवान को एक पर्यवेक्षक के तौर पर आमंत्रित करने के मुद्दे पर विचार करें और ताइवान को इसमें शामिल होने वाले अन्य प्रतिभागियों के साथ अपनी विशेषज्ञता जाहिर करने का एक मौका दें। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने यह जानकारी दी है।

ब्लिंकन ने एक बयान में कहा, हम विश्व स्वास्थ्य संगठन में एक पर्यवेक्षक के रूप में भाग लेने के लिए ताइवान को आमंत्रित करने और मई में आयोजित होने वाले 75वें डब्ल्यू.एच.ए. में समाधान संबंधित चर्चाओं में ताइवान को अपनी विशेषज्ञता जाहिर करने का मौका दे।

विदेश मंत्री ने कि ताइवान वैश्विक स्वास्थ्य समुदाय का एक सक्षम और जिम्मेदार सदस्य है और इसकी क्षमताएं और इसकी क्षमताएं एवं दृष्टिकोण डब्ल्यू.एच.ए. चर्चाओं की दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, ताइवान को इससे बाहर रखने का कोई तुक नहीं बनता, बल्कि इसे शामिल करने से ही दुनिया की भलाई है। ब्लिंकन के मुताबिक वैश्विक महामारी के समय में पूरी दुनिया एकजुट रहा है, ऐसे में ताइवान को अलग-थलग रखना कदापि उचित नहीं है।

चीन ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि अमेरिका चीन के आंतरिक मामलों में दखल देता है, तो चीन अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए कठोर कदम उठाएगा।

चीन के विदेश मामलों के लिए केंद्रीय आयोग के कार्यालय के निदेशक यांग जिएची ने अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन से दूरभाष पर हुई वार्ता के दौरान यह बातें कही।

चीन के विदेश मंत्रालय ने वांग के हवाले से कहा, चीन अपनी संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए निर्णायक कार्रवाई करेगा और जो हमने कहा है उसे करके दिखायेंगे।

वांग के अनुसार अमेरिका ने एक के बाद एक लगातार चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने और उसके राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाने वाले गलत कार्यों और बयानों की कतार लगा दी है।

'घर-घर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

''मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना'' की अनुमति न दिये जाने पर अड़ गये थे। इस फैसले से, इस योजना को लेकर, केजरीवाल को एक बड़ा झटका लगा है। ज्ञातव्य है कि पंजाब विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी की जीत के बाद केजरीवाल ने इस योजना को पंजाब में भी आगे बढ़ा दिया है।

उच्च न्यायालय, जिसने 10 जनवरी को अपने इस फैसले को सुरक्षित रख लिया था, ने दिल्ली सरकारी राशन डीलर्स संघ की याचिका को अनुमति प्रदान कर दी। इस संघ ने गत वर्ष उन निविदाओं को चुनौती दी थी, जो इस योजना की क्रियान्विति के लिये जारी की गई थीं। केन्द्र सरकार ने गत वर्ष इस याचिका का समर्थन कर दिया था तथा दलील दी थी कि उचित मूल्य की दुकानों को समाप्त नहीं होने दिया जा सकता क्योंकि ये दुकानें नैशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट (एन. एफ.एस.ए.) की क्रियान्विति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

भाजपा में शामिल हुये सुनील जाखड़

नई दिल्ली,19 मई (वार्ता)। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया।

भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने जाखड़ को अंगवस्त्रम पहनाकर पार्टी में स्वागत किया और कहा कि राष्ट्रीय सोच और विचारधारा के लोगों का भाजपा में स्वागत है। जाखड़ ने कांग्रेस नेतृत्व की शैली पर गहरे सवाल उठाते हुए पिछले दिनों पार्टी से इस्तीफ़ा दे दिया था।

जाखड़ ने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने खुले दिल और आत्मीयता से उनका स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि वह निजी स्वार्थ की राजनीति नहीं करते लेकिन जिस तरह उनकी पिछली पार्टी कांग्रेस ने पंजाब को वहां की आबादी में, जात-पात और धर्म के प्रतिशत (अनुपात) के नाम पर बांटने की कोशिश की, वह उनके लिये पीड़ादायक था। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस तरह की राजनीति का विरोध किया और इसलिये उन्हें कांग्रेस छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि पंजाब में कोई दोयम दर्जे का नागरिक नहीं है। पंजाब ने देश की सेवा में अपना नाम कमाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने उसूलों से हट चुकी है।

- जाखड़ ने इस मौके पर कहा कि, भाजपा हाईकमान ने खुले दिल और आत्मीयता से मुझे पार्टी में आमंत्रित किया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908